INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-176 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

समिति के फेर में उलझी मुख्यमंत्री नि:शुल्क अभ्युदय कोचिंग

अभी शुरू नहीं हो सकी है सरकारी कोचिंग, तैयारी को अभ्यर्थी अकुलाए

436 अभ्यर्थियों ने कराया है पंजीकरण, अगले माह शुरू होने के आसार

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री निःशुल्क अभ्युदय कोचिंग योजना के तहत जिले में शुरू होने वाली कोचिंग अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। तीन सदस्यीय समिति से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण जुलाई में प्रस्तावित शुभारंभ टल गया। कोचिंग के लिए आवेदन कर चुके 436 अभ्यर्थी अब कक्षाएं शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं। समाज कल्याण विभाग के अधिकारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जल्द कोचिंग शुरू कराने का दावा कर रहे हैं, जबकि जानकारों के मुताबिक इसके सितंबर में शुरू होने की संभावना है।

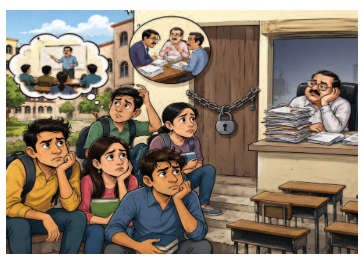

बीएसए महाविद्यालय में मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग का संचालन किया जाना है। शासन की योजना के तहत अभ्यर्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क कराई जाती है। इसमें संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, संयुक्त रक्षा सेवा, राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा और संयुक्त प्रवेश परीक्षा जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तैयारी कराई जानी है। समाज कल्याण विभाग ने चालू शैक्षिक सत्र में कोचिंग में प्रवेश के लिए जिले के अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे थे। निर्धारित प्रक्रिया के तहत विभाग को कुल 436 आवेदन प्राप्त हुए। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अभ्यर्थियों को उम्मीद थी कि जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। विभाग ने पढ़ाई के लिए 17 अतिथि प्रवक्ताओं का चयन भी कर लिया है। इसके बावजूद तीन सदस्यीय समिति से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी नहीं होने के कारण कोचिंग का शुभारंभ अटक गया। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों में निराशा है। कई अभ्यर्थियों का कहना है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। कक्षाएं शुरू होने में देरी से उनकी तैयारी प्रभावित हो रही है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू का कहना है कि समिति से जुड़ी प्रक्रिया पूरी होते ही कोचिंग शुरू करा दी जाएगी। विभाग स्तर से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। अगले सप्ताह से कोचिंग को शुरू कराया जा सकता है।

वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल हादसा

मौत बनकर गिरी शटरिंग तीन मजदूरों ने तोड़ा दम

निर्माणाधीन मॉल की शटरिंग के मलबे में दबे थे चार मजदूर, एक गंभीर

डीएम और एसएसपी ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य का लिया जायजा

घटनास्थल का निरीक्षण करते डीएम सीपी सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार और अन्य अधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मणि विहार कॉलोनी में गोल चक्कर के समीप ओमेक्स के निर्माणाधीन 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' में शुक्रवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। दूसरी मंजिल पर छत और छज्जे की ढलाई के दौरान अचानक शटरिंग भरभरा कर नीचे आ गिरी, मलबे में चार मजदूर दब गए। हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर गंभीर घायल है। घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात से ही निर्माणाधीन भवन की दूसरी मंजिल पर छत और छज्जे की ढलाई का काम चल रहा था। सुबह मजदूर शटरिंग के नीचे काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक शटरिंग और ढलाई में इस्तेमाल सामग्री ताश के पत्तों की तरह भरभरा कर गिर पड़ी। मलबे में मजदूरों के दबने की सूचना मिलते ही अन्य श्रमिक घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और अपने साथियों को बाहर निकालने में जुट गए।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन दल की टीम मौके पर पहुंच गई। बचाव दल ने तत्काल राहत कार्य शुरू कर मलबे में दबे मजदूरों को बाहर निकाला। एक मजदूर ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो मजदूरों की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिवराम (42) पुत्र भाईलाल निवासी सिमरी, कैलाली, नेपाल, रफीउल (45) पुत्र मजिदल निवासी सीताही, कूच बिहार और आलम (30) पुत्र सोहले मियां निवासी कूच बिहार, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। घायल मजदूर दिलदार (45) निवासी कूच बिहार, पश्चिम बंगाल को जिला संयुक्त चिकित्सालय से गंभीर हालत में एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा के लिए भेजा गया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, और एससएपी श्लोक कुमार तत्काल वृंदावन पहुंचे। अधिकारियों ने पहले जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचकर घायलों और मृतकों की स्थिति की जानकारी ली। इसके बाद घटनास्थल का निरीक्षण कर राहत और बचाव कार्य का जायजा लिया। अधिकारियों ने मृतकों के परिजनों से मुलाकात कर हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। एसएसपी ने हादसे में तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। राहत और बचाव अभियान पूरा होने के बाद अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मलबे में अब कोई मजदूर फंसा नहीं है। पुलिस और प्रशासन की टीम घटना के कारणों की जांच में जुटी है। वहीं, कोतवाली पुलिस का कहना है कि मृतकों के परिजनों से तहरीर प्राप्त होते ही विधिक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक रफीउल, शिवराम, आलम।

लखनऊ पहुंची हादसे की खबर

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स के निर्माणाधीन 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' में हुए हादसे की खबर लखनऊ तक पहुंच गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में तीन मजदूरों की मौत पर दुख जाहिर किया है। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन से रिपोर्ट तलब की। पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद दिए जाने का निर्देश दिया।

लोक निर्माण विभाग करेगा हादसे की जांच

यूनिक समय, वृंदावन। हादसे में तीन मजदूरों की मौत को लेकर प्रशासन गंभीर नजर आया। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि लोक निर्माण विभाग मामले की जांच करेगा। उन्होंने बताया कि जांच में शटरिंग गिरने के कारणों के साथ निमाण कार्य में अपनाए जा रहे सुरक्षा मानकों की भी पड़ताल की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि निर्माण स्थल पर तकनीकी मानकों के अनुरूप शटरिंग लगाई गई थी या नहीं और मजदूरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे, अथवा नहीं। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद हादसे के लिए जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है।

हादसे में घायल मजदूर को वाहन में लेकर जाते पुलिसकर्मी।

सात अगस्त से शुरू हुआ था काम

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स के जनरल मैनेजर आरके जैन ने घटना पर दुख जताया। बताया कि रात आठ बजे से सुबह तक ढलाई का काम चल रहा था और उस समय मौके पर 10 से 12 मजदूर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अचानक हुए इस हादसे में चार मजदूर चपेट में आए। इनमें तीन मजदूरों की दुखद मृत्यु हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि मॉल का निर्माण कार्य सात अगस्त से शुरू हुआ था। इस परियोजना के तहत दो बेसमेंट, एक लोअर फ्लोर और ग्राउंड प्लस सात मंजिल की इमारत का निर्माण प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि आज सुबह छज्जा बनाते समय हादसा हुआ। वैसे तो रोज 50 मजदूर काम करते हैं, लेकिन आज सुबह में चार–पांच मजदूर ही काम पर थे। हादसे के वक्त एक मजदूर बाहर गया हुआ था। हादसा कैसे हुआ, इसकी जानकारी की जा रही है।

मृतक आश्रितों को मिलेगी 20–20 लाख रुपये की आर्थिक मदद

यूनिक समय, वृंदावन। माल हादसे पर वीकेजी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि चंद्रशेखर ने दुख जताया। कहा कि हादसे के मृतक आश्रितों को बीस–बीस लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी। गंभीर घायल मजदूर को भी दो लाख रुपये की सहयता दी जाएगी।

जनपद की 90 सड़कों के निर्माण को मिली 86 करोड़ की मंजूरी

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में सड़क निर्माण और सुधार कार्यों को बड़ी गति मिलने जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य सेक्टर योजना के अंतर्गत नगर निगम की 90 सड़क परियोजनाओं के लिए 86 करोड़ 13 लाख 39 हजार रुपये की प्रशासकीय और वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। स्वीकृत राशि के सापेक्ष प्रथम किस्त के रूप में 43 करोड़ 6 लाख 70 हजार रुपये अवमुक्त कर दिए गए हैं।

शासन की इस स्वीकृति के बाद नगर निगम क्षेत्र में सड़कों के पुनरोद्धार,

नवीनीकरण और विस्तारीकरण से जुड़े कार्यों को गति मिलने की उम्मीद है। योजना में नवसृजित वार्डों की आवश्यकताओं को भी शामिल किया गया है। इससे लंबे समय से सड़क संबंधी समस्याओं से जूझ रहे नए वार्डों के लोगों को राहत मिलने की संभावना है। शासनादेश के अनुसार, नगर निगम

पहली किस्त में शासन ने 43 करोड़ रुपये किए जारी

नवसृजित वार्डों में भी सड़क विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

मथुरा–वृंदावन के इसी 28 जुलाई को प्रस्तुत पत्र के आधार पर इन 90 कार्यों को स्वीकृति दी गई है। प्रथम किस्त जारी होने के बाद अब संबंधित निर्माण कार्यों को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज के प्रयासों के बीच मिली इस स्वीकृति को नगर निगम के विकास के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। पार्षद राजीव कुमार सिंह एडवोकेट ने प्रदेश सरकार का आभार जताते हुए कहा कि इतनी बड़ी धनराशि से नगर क्षेत्र में सड़क निर्माण और पुनरोद्धार को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने कहा कि सभी कार्य गुणवत्ता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के अनुसार पूरे होने चाहिए, ताकि स्वीकृत धनराशि का वास्तविक लाभ आम नागरिकों तक पहुंच सके।

उझानी में पट्टे की जमीन के विवाद में आया नया मोड़

पीड़ित ने दबंगों पर लगाया जमीन पर कब्जे का प्रयास

यूनिक समय, शेरगढ़। छाता तहसील क्षेत्र के ग्राम उझानी में पट्टे की जमीन को लेकर हाईकोर्ट में विचाराधीन विवाद में नया मोड़ सामने आया है। पीड़ित योगेश ने आरोप लगाया है कि उनके दादा को वर्ष 1966 में फौज में सेवा के सम्मान स्वरूप पट्टा मिला था, जिस जमीन पर गांव के ही कुछ दबंग किस्म के लोगों द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।

पीड़ित योगेश के अनुसार, उक्त जमीन को लेकर विवाद वर्तमान में हाईकोर्ट में विचाराधीन है। रिट संख्या

पुलिस के समक्ष अपनी बात रखता पीड़ित योगेश।

का उल्लेख करते हुए जमीन पर एक बोर्ड लगाया गया था। जब उन्होंने बोर्ड उखाड़ने का विरोध किया तो दूसरे पक्ष के लोग मारपीट पर उतारू हो गए। स्थिति बिगड़ती देख उन्होंने डायल–112 को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से उन्होंने अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी उनके द्वारा थाना शेरगढ़ प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर को भी दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। शुक्रवार को पीड़ित पक्ष गांव के लोगों के साथ अपनी समस्या रखने थाना शेरगढ़ पहुंचा, लेकिन प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर के ड्यूटी पर बाहर होने के कारण उन्हें मामले को लेकर अगले दिन आने का समय दिया गया।

मकान का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चोरी

यूनिक समय, राया। थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव कोयल में एक माह पहले मकान का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चोरी का मुकदमा थाने में दर्ज हुआ है। पीड़ित चंद्रमोहन शर्मा ने तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ प्रतिदिन रात्रि को सोने के लिये दूसरे मकान में जाते हैं। 27 जुलाई की रात्रि अज्ञात चोर बंद मकान का ताला तोड़कर गैस सिलेंडर चुरा ले गये। इससे पूर्व भी सात दिसंबर 25 में मकान से एक सोने की चेन और 65 हजार रुपये और 10 मार्च 26 को मकान से संदूक में रखे 40 हजार रुपये चोरी हो गए। जिसकी तहरीर थाने में दर्ज कराई गई थी, लेकिन पुलिस घटना का खुलासा नहीं कर सकी।

जर्जर भवन में चल रहा नगर का डाकघर

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के थाना रोड स्थित डाकघर का भवन जर्जर हो गया है। भवन के दीवारों और छतों में जगह–जगह दरारें पड गई हैं। जर्जर भवन कभी भी गिर सकता है। डाकघर में सैकडों ग्राहक पैसा जमा और निकालने आते हैं। इसके साथ ही आधार कार्ड संशोधन का कार्य होता है। इस कारण भीड और अधिक बढ जाती है। डाकपाल ने बताया कि उच्च अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

कृष्णा कुटीर में 84 माताओं की हुई टीबी स्क्रीनिंग

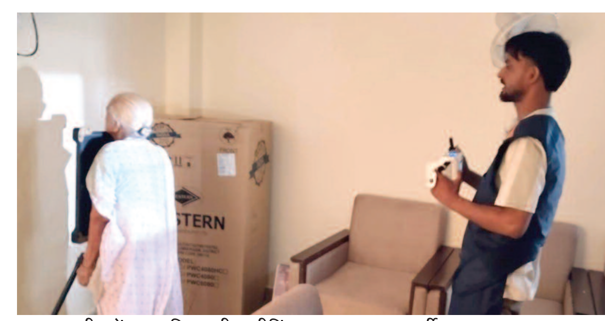

कृष्णा कुटीर में वृद्ध महिला की स्क्रीनिंग करता स्वास्थ्यकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। क्षय रोग की समय पर पहचान और संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग की ओर से जनपद में विशेष स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है। डीएम के निर्देश पर वृंदावन स्थित ओल्ड एज होम कृष्णा कुटीर में रहने वाली माताओं की क्षय रोग के लिए स्क्रीनिंग की गई।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कृष्णा कुटीर पहुंचकर वहां रह रही माताओं की टीबी संबंधी स्क्रीनिंग की। जिला कार्यक्रम समन्वयक शिव कुमार ने बताया कि कुल 85 माताओं की स्क्रीनिंग हुई, सभी का चेस्ट एक्स–रे कराया गया। सीएमओ डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि जनपद में ऐसे स्थानों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में लोग एक साथ रहते हैं। इन स्थानों पर स्क्रीनिंग के माध्यम से ऐसे क्षय रोगियों की पहचान की जा रही है, जो किसी कारण से अब तक जांच और उपचार से वंचित रह गए हैं।

डीएम के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने चलाया विशेष अभियान

समय पर जांच से छिपे मरीजों की पहचान पर जोर

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. संजीव यादव ने कहा कि टीबी उन्मूलन के लिए बीमारी की जल्दी पहचान और समय पर उपचार बेहद जरूरी है। जनपद में विभिन्न समूहों में रहने वाले लोगों की स्क्रीनिंग कर छिपे हुए क्षय रोगियों की पहचान की जा रही है। संक्रमित मरीज की समय पर पहचान और उपचार शुरू होने से टीबी के संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ने में मदद मिलती है। स्क्रीनिंग कार्यक्रम के दौरान शिवानी, जगदीश, परशुराम और ओल्ड एज होम कृष्णा कुटीर की कार्यालय प्रभारी शिल्पा सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

अवैध गैस सिलेंडर भंडारण पर मुकदमा

नगला मथा में बरामद हुए थे 103 सिलेंडर

घरेलू सिलेंडरों में होती थी गैस रिफिलिंग

गैस रिफिलिंग के ठिकाने से बरामद सिलेंडरों के साथ डीएसओ संजीव सिंह आदि अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट क्षेत्र की ग्राम पंचायत जावरा के नगला मथा में घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के अवैध भंडारण, घरेलू गैस की रिफिलिंग के मामले में पूर्ति विभाग ने विशेष अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है। डीएम के निर्देश पर दर्ज कराई प्राथमिकी में आरोपित दिनेश चौधरी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कराया गया है। आरोपित को 103 गैस सिलेंडर, दो पाइप, 30 कैप, इलेक्ट्रॉनिक कांटा और गैस रिफिलिंग के साथ पकड़ा गया था।

18 अगस्त को जिला पूर्ति अधिकारी संजीव कुमार के निर्देश पर पूर्ति निरीक्षक मांट संतोष कुमार वर्मा, क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मांट ने नगला मथा में सड़क किनारे दिनेश चौधरी पुत्र विजय सिंह के अहाते में छापा मारा था, जहां 82 व्यावसायिक सिलेंडर मिले, जिनमें पांच भरे और 77 खाली थे। खाली सिलेंडरों में 14 इंडेन, 36 भारत गैस और 27 एचपी गैस कंपनी के और पांच भरे व्यावसायिक सिलेंडर भारत गैस कंपनी के थे। इसके अलावा 21 घरेलू गैस सिलेंडर मिले। इनमें छह भरे और 15 खाली थे। खाली सिलेंडरों में 10 भारत गैस और पांच इंडेन गैस कंपनी के सिलेंडर मिले।

डीएसओ के अनुसार, सिलेंडरों के अवैध भंडारण के संबंध में मौके पर लाइसेंस मांगा गया, लेकिन आरोपित ने कोई अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया। परिसर की जांच में गैस रिफिलिंग के साक्ष्य भी मिले। मौके से दो रेगुलेटरयुक्त पाइप, सिलेंडर की 30 कैप और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ। एक छोटा हाथी वाहन भी अहाते में खड़ा मिला। आबादी के बीच इस प्रकार का कार्य किए जाने को गंभीर माना गया है।

जिला पूर्ति अधिकारी के अनुसार, दिनेश चौधरी के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 और अन्य सुसंगत धाराओं में मांट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह प्राथमिकी डीएम चंद्रप्रकाश सिंह के अनुमोदन के बाद मांट के पूर्ति निरीक्षक ने दर्ज कराई है।

हादसे से चीखों में बदली शुक्रवार की सुबह

काम से लौटे मजदूरों को नहीं था हादसे का आभास

अपनों के शव देखकर परिजन फूट-फूटकर रोए

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार की सुबह मंदिरों की नगरी में किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि कुछ ही देर में खुशियों की जगह चीख–पुकार सुनाई देगी। रातभर निर्माण कार्य में जुटे कई मजदूर काम पूरा करने के बाद आराम की तैयारी में थे, जबकि कुछ सुबह के रोजमर्रा के काम में जुटने वाले थे। इसी बीच सुबह करीब छह से सात बजे के बीच अचानक हादसे की सूचना से पूरे क्षेत्र में अफरा–तफरी मच गई।

चीख–पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। गोल चक्कर के आसपास सुबह की सैर के लिए निकले लोगों ने भी हादसे का मंजर देखा तो सन्न रह गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की आंखों के सामने तीन मजदूरों की जिंदगी खत्म हो चुकी थी। कुछ ही देर पहले जो मजदूर अपने परिवार और साथियों के बीच थे, वे हमेशा के लिए अपनों से दूर हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल था। शवों को देखकर पत्नियां, बच्चे और साथी मजदूर बिलख पड़े। परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया। अधिकारियों और आसपास मौजूद लोगों ने परिजनों को ढांढस बंधाने का प्रयास किया, लेकिन अपनों को खोने का दर्द इतना गहरा था कि उनकी आंखों से आंसू थम नहीं रहे थे। घटना ने मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ओमेक्स के निर्माणाधीन वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल की गिरी शटरिंग के बाद का नजारा।

शटरिंग गिरने के बाद पड़ा दिखाई दे रहा मलवा।

वृंदावन में स्थानीय मजदूरों की जगह दूसरे राज्यों से आ रहे श्रमिक

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में बड़े निर्माण कार्यों के लिए स्थानीय मजदूरों के बजाय, दूसरे राज्यों और नेपाल से श्रमिक बुलाए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल, बिहार, मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित नेपाल से आए मजदूर यहां विभिन्न निर्माण परियोजनाओं में काम कर रहे हैं।

ठेकेदारों के अनुसार, इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण मजदूर काम की तलाश में ब्रज क्षेत्र का रुख कर रहे हैं। सुबह के समय वृंदावन में कई स्थानों पर मजदूर रोजगार मिलने की उम्मीद में खड़े नजर आते हैं। उनका कहना है कि अपने क्षेत्र में पर्याप्त काम नहीं मिलने के कारण उन्हें दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। वृंदावन, मथुरा समेत ब्रज क्षेत्र में चल रहे कई बड़े निर्माण कार्यों में बाहरी श्रमिकों की संख्या लगातार दिखाई दे रही है। वहीं, श्रमिकों के पंजीकरण को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। बताया जाता है कि कई मजदूरों का श्रम विभाग में पंजीकरण नहीं है। इसके चलते उन्हें सरकार की श्रमिक कल्याण योजनाओं और अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पाता।

मजदूरों के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल

यूनिक समय मथुरा। हादसे में मृत नेपाली शिवराम के दामाद अरुण ने बताया कि वह ससुर के साथ काम करने के लिए पत्नी मनीषा,साली ज्योति और बड़ी साली पूर्णिमा भी काम के लिए एक माह पूर्व लिए यहां आए थे। उनकी मौत से पूरा परिवार दुखी है। नेपाल के कुछ अन्य मजदूर भी प्रोजेक्ट में काम कर रहे है।

हादसे ने खड़े किए सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स के निर्माणाधीन 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' में हुए हादसे ने निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शटरिंग की मजबूती, उसे लगाए जाने के तरीके और निर्माण स्थल पर मजदूरों की सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों की भी जांच की जरूरत सामने आई है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण कार्य से जुड़े लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

परिजनों में गुस्सा और मुआवजे की मांग

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स के निर्माणाधीन 'वृंदावन कोर्टयार्ड मॉल' में हुए हादसे में तीन मजदूरों की मौत के बाद परिवार के लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। परिवार वालों ने निर्माण कंपनी पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी और लापरवाही का सीधा आरोप लगाया है। पीड़ित परिवारों ने मुआवजे की मांग की है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

चूल्हे नहीं जलाए मजदूरों ने

यूनिक समय, वृंदावन। हादसे में तीन मजदूरों की मौत से साथियों के परिवारों में मातम बिखरा रहा। अधिकांश घरों में चूल्हे नहीं जले। हर कोई तीन मजदूरों की मौत से स्तब्ध था। इन परिवार के लोगों ने बताया कि वह तो यहां अपने परिवार का पालन पोषण करने के उद्देश्य से काम करने आए थे,लेकिन क्या पता था कि ऐसा मंजर भी देखने को मिलेगा। तीन मजदूरों की मौत ने उनको ऐसा झकझोर दिया है कि हर पल मन में तमाम सवाल पैदा हो रहे हैं। क्या मौत काम के बहाने मजदूरों को यहां बुलाकर आई थी। तीन साथियों के खोने का सभी को दुख है।

मृत मजदूरों की पत्नियों के सामने परिवार चलाने की समस्या

यूनिक समय, मथुरा। हादसे में मरने वाले युवा मजदूरों की पत्नियों का रो–रो कर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम हाउस पर आई पत्नियों का कहना है कि अब उनके सामने परिवार को चलाना मुश्किल होगा। दोनों मजदूरों की पत्नियां भी अपने बच्चों के साथ उनके साथ बंगाल से एक माह पूर्व यहां काम करने के लिए आई थी। पतियों की मौत से वह बेहद सदमे में हैं।

हादसे के बाद हादसा स्थल पर पहुंची पुलिस के साथ अन्य लोग।

अतिक्रमण पर नगर निगम की कार्रवाई, हटाए अवैध कब्जे

अवैध अतिक्रमण को हटवातीं नगर निगम की टीम।

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम ने नगर आयुक्त ओजस्वी राज के निर्देश पर शहर में सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण और अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान चलाया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों और प्रवर्तन टीम को सड़कों और सार्वजनिक मार्गों से अतिक्रमण हटाने के सख्त निर्देश दिए हैं।

शुक्रवार को पागल बाबा मंदिर से मसानी रोड तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नगर निगम की टीम ने जयसिंहपुरा स्थित बिरला मंदिर के पास फूड पार्क के आसपास सड़क किनारे किए गए कब्जों को हटाया। कई दुकानदारों ने अपना सामान सड़क तक फैला रखा था। इसके अलावा कुछ स्थानों पर अस्थायी ढांचे भी बनाए गए थे। टीम ने इन्हें हटाकर सड़क को अतिक्रमण मुक्त कराया। पागल बाबा मंदिर के सामने भी रेस्टोरेंट और दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण पर कार्रवाई की गई। अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद कब्जा नहीं हटाने वालों का सामान टीम ने जब्त कर लिया।

विप्रा ने मानचित्र स्वीकृति की व्यवस्था बदली, फास्ट पास पोर्टल प्रभावी

100 वर्गमीटर तक खुद पास कर सकेंगे नक्शा 500 वर्गमीटर तक आर्किटेक्ट को अधिकार

नई व्यवस्था में फास्ट पास पोर्टल से समय पर किया 75 प्रतिशत मामलों का निस्तारण

यूनिक समय,मथुरा। भवन निर्माण के लिए नक्शा स्वीकृत कराने को अब विकास प्राधिकरण में विभिन्न पटलों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण ने नक्शा स्वीकृति की पुरानी व्यवस्था को बंद कर फास्ट पास पोर्टल को पूरी तरह प्रभावी कर दिया है। जुलाई में पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को तय समय सीमा में या उससे पहले स्वीकृति मिल गई।

मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि प्राधिकरण ने नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए फास्ट पास पोर्टल लागू किया है। इसकी खासियत यह है कि नक्शा स्वीकृति के साथ विभिन्न विभागों से जरूरी अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त करने की प्रक्रिया भी इसी के तहत ऑनलाइन कर दी गई है। अब आवेदक को एनओसी के लिए संबंधित विभाग के कार्यालय में पत्र लेकर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। पोर्टल के माध्यम से एनओसी का अनुरोध संबंधित विभाग तक पहुंच जाएगा।

लक्ष्मी नागप्पन, उपाध्यक्ष

उन्होंने ने बताया कि फास्ट पास पोर्टल के माध्यम से नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को तेज करने के साथ आवेदक कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष ने बताया कि अब इस पोर्टल का परिणाम जुलाई में देखा गया।

पोर्टल पर प्राप्त करीब 75 प्रतिशत मामलों में नक्शों को निर्धारित समय में स्वीकृति मिली है। नई व्यवस्था के तहत आवेदक को फास्ट पास पोर्टल पर नक्शे के साथ आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने होंगे।

500 वर्गमीटर तक के भूखंड पर बड़ी राहत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के नए बायलॉज के तहत नक्शा स्वीकृति की प्रक्रिया को जोखिम के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। 0 से 100 वर्ग मीटर तक के भूखंडों को लो रिस्क, 100 से 500 वर्ग मीटर तक को मीडियम रिस्क और 500 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले भूखंडों को हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। लो रिस्क श्रेणी में 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय नक्शे की स्वीकृति आवेदक स्वयं पोर्टल के माध्यम से प्राप्त कर सकता है। वहीं प्राधिकरण से स्वीकृत कॉलोनियों में 500 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखंडों के नक्शे आर्किटेक्ट के माध्यम से पोर्टल पर स्वीकृत कराए जा सकते हैं। व्यावसायिक भूखंडों के लिए यह सीमा 30 वर्ग मीटर तक निर्धारित है। इन श्रेणियों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्राधिकरण की अलग से स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। अब फास्ट पास पोर्टल के जरिए संबंधित विभागों से एनओसी मांगने की प्रक्रिया भी होगी। आवेदन के आधार पर संबंधित विभाग के लिए एनओसी का अनुरोध पोर्टल से स्वतः जनरेट होकर भेजा जाएगा। इससे आवेदक को अलग–अलग विभागों में जाकर पत्र जमा कराने की जरूरत नहीं होगी। एक ही नक्शा स्वीकृति, एनओसी और आवेदन की स्थिति की जानकारी मिल जाएगी।

ई–लॉटरी से 126 किसानों का चयन मिलेंगे ड्रोन और कृषि यंत्र

यूनिक समय, मथुरा। कृषि भवन सभागार में शुक्रवार को जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के समक्ष कृषि यंत्रों और अन्य कृषि सुविधाओं के लिए ई–लॉटरी कराई गई। प्रक्रिया में करीब 120 किसान मौजूद रहे। जिले के लिए निर्धारित 165 के लक्ष्य के सापेक्ष 667 किसानों ने बुकिंग कराई थी। ई–लॉटरी के माध्यम से 126 किसानों का चयन किया गया।

ई–लॉटरी में चयन की घोषणा होते ही किसानों में खुशी का माहौल बन गया। मौके पर विकास खंड राया की किसान विमलेश देवी के मोबाइल पर किसान ड्रोन के लिए चयनित होने का संदेश प्राप्त हुआ। इसी तरह मैसर्स एग्मा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड मथुरा को फार्म मशीनरी बैंक के लिए चयनित किए जाने की सूचना मिली। विकास खंड फरह के किसान विष्णु के पास कस्टम हायरिंग सेंटर के लिए चयनित होने का संदेश पहुंचा। कस्टम हायरिंग सेंटर की परियोजना लागत करीब 30 लाख रुपये निर्धारित है। चयन की जानकारी मिलते ही संबंधित किसानों ने प्रसन्नता जताई। उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने बताया कि ई–लॉटरी की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पारदर्शी तरीके से पूरी की गई। उन्होंने चयनित सभी किसानों को बधाई देते हुए कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक और कृषि यंत्रों का अधिक से अधिक उपयोग करने का आह्वान किया।

ई–लॉटरी प्रक्रिया के दौरान कृषि भवन में मौजूद अधिकारी और किसान।

ई–लॉटरी प्रक्रिया के दौरान जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह, जिला उद्यान अधिकारी प्रशांत कुमार और जिला गन्ना अधिकारी के प्रतिनिधि, अपर जिला कृषि अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक, अग्रणी जिला प्रबंधक केनरा बैंक, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित प्रगतिशील किसान अशोक शर्मा, हरिपाल सिंह, गंगाराम और फरह स्वयं सहायता समूह के अध्यक्ष तेजपाल सिंह मौजूद रहे।

667 किसानों ने कराई थी कृषि यंत्रों के लिए बुकिंग

लक्ष्य 165 का था चयनित किसानों में खुशी का माहौल

कमल के हिंडोले में विराजे राजाधिराज

कमल के हिंडोले में विराजमान राजाधिराज।

कल काली घटा में दर्शन देंगे ठाकुर द्वारकाधीश

यूनिक समय, मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में सावन मास में शुक्रवार को राजाधिराज ने कमल के हिंडोले में विराजमान हुए। इस दौरान भक्तों ने राजाधिराज के मनोहारी स्वरूप के दर्शन किए।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी कार्यक्रम मंदिर के गोस्वामी वागीश कुमार के निर्देशन में किए जाते है। उन्होंने बताया कि शनिवार को राजाधिराज विश्व प्रसिद्ध काली घटा (श्याम घटा) में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे। संध्या उद्यापन के दर्शन शाम पांच बजे से शुरू होंगे, जबकि शयन के दर्शन शाम सात से रात आठ बजे तक होंगे।

कई दिन से डाउन है रजिस्ट्री ऑफिस का सर्वर

सर्वर डाउन होने से रजिस्ट्री कार्य प्रभावित

यूनिक समय, मथुरा। निबंधक कार्यालय में एक सप्ताह से सर्वर के ठीक तरह से न चलने के कारण लोगों ने रजिस्ट्री कराने में भारी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को सर्वर ने पिछले दिनों के मुकाबले में कुछ बेहतर काम किया। जिला निबंधक कार्यालय पर सर्वर के ठीक तरह से न चलने के कारण दस्तावेज लेखकों और जमीन आदि की रजिस्ट्री कराने के लिए आने वाले लोगों को भारी दिक्कत हो रही है। एक दस्तावेज लेखक ने बताया कि कल भी सर्वर डाउन होने के कारण डेढ़ बजे के बाद ही रजिस्ट्री हो पाई। उन्होंने बताया कि तीन दिन में रजिस्ट्री हो पाई हैं। कार्यालय का सर्वर डाउन होने के कारण लोगों की समय से रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है। आज सर्वर अन्य दिनों की अपेक्षा कुछ ठीक से काम कर रहा है।

सरकारी भूमि पर कब्जा कर वसूल रहे किराया

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका की भूमि पर अवैध कब्जा कर किराए के नाम पर प्रतिमाह लाखों रुपये की अवैध वसूली का मामला सामने आया है। अवैध रूप से कब्जा कर किराया वसूलने का यह सिलसिला लंबे अर्से से जारी है। पालिका अधिकारी भी इसे नजरअंदाज कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, थाना रोड, जानकी भवन मार्ग, शेरगढ रोड, सब्जी मंडी, बठैनगेट आदि स्थानों पर दोनों तरफ कुछ प्रभावशाली लोगों ने अवैध कब्जे करा लिए हैं और उन्हें किराए पर उठाकर प्रतिमाह अवैध रूप से वसूली की जा रही है। हर महीने लाखों रुपये की धनराशि किराये के तौर पर दुकानदारों से वसूली जा रही है, जबकि इन जगहों पर दुकानें और रेहड़ी लगाना गैर–कानूनी है। उक्त स्थलों से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश पूर्व में एसडीएम भी दे चुके हैं। नगर पालिका कभी–कभार कब्जे हटाने की कार्रवाई करता भी है, लेकिन फिर से वहां कब्जा कर किराया वसूली शुरू हो जाती है। पालिका के अधिशासी अधिकारी संजय कुमार ने बताया कि उनके संज्ञान में अवैध किराया वसूली का मामला नहीं आया है। वे अवैध कब्जे हटाने के लिए अभियान चलाएंगे।

हरियाली तीज उत्सव में सजी सावन की महफिल

सर्व ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ के हरियाली तीज उत्सव में शामिल महिलाएं।

विभा सिंह बनीं तीज क्वीन

यूनिक समय, वृंदावन। सर्व ब्राह्मण महिला प्रकोष्ठ नगर की ओर से हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर सावन के गीत, नृत्य, खेल और संगीत का आनंद लिया।

कार्यक्रम का खास आकर्षण 'तीज की क्वीन' प्रतियोगिता रही। इसमें विभा सिंह को तीज क्वीन चुना गया। महिलाओं ने फोटोग्राफी, विभिन्न खेलों, नृत्य और संगीत सहित कई मनोरंजक गतिविधियों में हिस्सा लिया। नृत्य प्रतियोगिता में प्रिया गौतम, दीप्ति गौतम और चयनिका ने बाजी मारी।

तीज क्वीन के चयन के लिए निर्णायक मंडल में पार्षद शशि शुक्ला, महासभा संरक्षक विनीता द्विवेदी, संरक्षक ऊषा शर्मा, महासभा नगर अध्यक्ष रिचा शर्मा शामिल थी। तम्बोला प्रतियोगिता में आभा गोस्वामी, भारती, अर्चना और हेमा विजेता रहीं। क्विज प्रतियोगिता में मोनिका, प्रीति, वंदना, निशा शर्मा, रमा मिश्रा, मीरा गोस्वामी, वैशाली, प्रीति, भारती, कमलेश व्यास और ममता और रितु ने भाग लिया। संचालन शैलजा शर्मा ने किया।

इंटरलॉकिंग के ऊपर सीसी सड़क निर्माण पर उठे सवाल

पुरानी सड़क हटाए बिना गिट्टी डालकर कराया जा रहा निर्माण

तकनीकी मानकों और निगरानी व्यवस्था पर भी उठे सवाल

यूनिक समय, फरह। नगर पंचायत में चल रहे विकास कार्यों को लेकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल खड़े होने लगे हैं। कस्बे में पुरानी इंटरलॉकिंग सड़क को हटाए बिना उसके ऊपर गिट्टी डालकर सीसी सड़क बनाए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुरानी सड़क को हटाकर नई सड़क के लिए निर्धारित आधार तैयार किया जाना था तो सीधे उसके ऊपर निर्माण कराने की अनुमति किस आधार पर दी गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ स्थानों पर पहले से बिछी इंटरलॉकिंग सड़क को उखाड़ा नहीं गया। इसके ऊपर गिट्टी डालकर सीसी निर्माण का काम कराया जा रहा है। इससे सड़क की मजबूती और निर्धारित निर्माण मानकों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि निर्माण में इस्तेमाल सामग्री, सड़क की मोटाई और आधार की गुणवत्ता की तकनीकी जांच होनी चाहिए।

निर्माण कार्यों की निगरानी की जिम्मेदारी नगर पंचायत के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की होती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि निर्माण स्थल पर गुणवत्ता की जांच किस स्तर पर की जा रही है। यदि पुरानी इंटरलॉकिंग के ऊपर सीसी सड़क बनाना तकनीकी रूप से स्वीकृत है तो नगर पंचायत को इसकी स्वीकृत कार्ययोजना और तकनीकी आधार सार्वजनिक करना चाहिए।

स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य में कुछ चुनिंदा ठेकेदारों के लगातार काम करने को लेकर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि सरकारी धन से होने वाले निर्माण में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

लोगों ने मांग की है कि संबंधित सड़कों की तकनीकी जांच कराकर सड़क की मोटाई, आधार, निर्माण सामग्री और स्वीकृत प्राक्कलन के अनुरूप कार्य की जांच कराई जाए। यदि जांच में मानकों की अनदेखी सामने आती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। अब सवाल यह है कि पुरानी इंटरलॉकिंग के ऊपर सीसी सड़क निर्माण की अनुमति किस तकनीकी आधार पर दी गई, इसकी निगरानी किस अधिकारी की जिम्मेदारी है।

राया में विद्युत ट्रांसफार्मर में लगी आग, आपूर्ति ठप

यूनिक समय, राया। कस्बा के नीमगांव तिराहे पर गुरुवार की रात्रि अचानक विद्युत ट्रांसफार्मर में आग लगने से आपूर्ति ठप हो गई, जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। रात्रि के करीब नौ बजे ट्रांसफार्मर में आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पर उपखंड अधिकारी मनीष गौड, अवर अभियंता सतेंद्र यादव, लाला,अनिल आदि अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंच गये। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस कारण मांट रोड, नीमगांव रोड सहित अन्य क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति ठप्प हो गई,जिससे लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जीएलए में कृषि संकाय में एआई और आधुनिक तकनीकों पर हुआ मंथन

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कृषि विज्ञान संकाय में विद्यार्थियों के लिए "कृषि के क्षेत्र में रोजगार एवं करियर की संभावनाएं" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहे रोजगार, स्वरोजगार, उद्यमिता और आधुनिक तकनीकों से जुड़े अवसरों की जानकारी देना रहा। व्याख्यान में कृषि क्षेत्र में बदलते स्वरूप और भविष्य की संभावनाओं को लेकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ के निदेशक प्रशासन-मॉनिटरिंग प्रोफेसर उदय प्रताप शाही ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कृषि के क्षेत्र में रोजगार-करियर की बढ़ती संभावनाओं के साथ मौसम पूर्वानुमान, कृषि–मौसम आधारित सलाह, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों और

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा के कृषि संकाय में अतिथि व्याख्यान के आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को जानकारी देते विशेषज्ञ ।

एआई की भूमिका पर जानकारी दी।

प्रो. शाही ने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर न रहें, बल्कि स्टार्टअप, कृषि उद्यमिता, एग्री–बिजनेस, कृषि परामर्श सेवाओं और आधुनिक कृषि तकनीकों के माध्यम से स्वयं रोजगार सृजन की दिशा में भी आगे बढ़ें।

जीएलए के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि वर्तमान समय में कृषि शिक्षा को केवल पारंपरिक कृषि ज्ञान तक सीमित रखने के बजाय उसे आधुनिक तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और उद्योग की आवश्यकताओं से जोड़ना आवश्यक है। कृषि विज्ञान संकाय के डीन प्रो. शैलेश कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के विशेषज्ञ व्याख्यान विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। आधुनिक कृषि तकनीकों, एग्रीटेक, उद्यमिता और स्टार्टअप के बढ़ते अवसरों को देखते हुए विद्यार्थियों को अपने तकनीकी- व्यावसायिक कौशल को लगातार विकसित करना चाहिए। संचालन कृषि विज्ञान संकाय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रोहित कुमार सिंह ने किया।

जीएलए कृषि संकाय द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के विलेज अटैचमेंट कार्यक्रम का आयोजन जैंत गांव में किया

वहीं विश्वविद्यालय के कृषि संकाय द्वारा ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (रावे) कार्यक्रम के विलेज अटैचमेंट ऑरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन जैंत गांव में किया गया। किसानों को पार्थेनियम प्रबंधन, जैविक नियंत्रण, सरकारी योजनाओं, आधुनिक कृषि तकनीकों- पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन की जानकारी दी गई। प्रो. राजवीर शर्मा ने पार्थेनियम से होने वाली कृषि- स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और प्राकृतिक शत्रु जाईगोग्रामा बाइकोलरेटा की भूमिका बताई। अभिषेक शुक्ला ने किसान क्रेडिट कार्ड, फसल बीमा, पशुपालन सहायता, कृषि मशीनरी पर अनुदान- सिंचाई संबंधी योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. रविंद्र कुमार ने मृदा-सिंचाई जल की जांच के महत्व, डॉ. ब्रजमोहन ने उचित समय पर कृषि कार्य करने, डॉ. अमित कुमार ने पारंपरिक-पर्यावरण अनुकूल कीट प्रबंधन तकनीकों की जानकारी दी। संचालन डा. आकांक्षा सिंह, डा. अमिता यादव एवं डा. आलोक ने किया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान संजय सिंह, अनीता देवी, कृषि संकाय के नाबार्ड के डीडीएम अभिषेक शुक्ला, कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डा. वाईके शर्मा, उद्यान वैज्ञानिक डा. ब्रजमोहन, डा. अमित कुमार, डा. अमिता यादव, डा. प्रदीप जोलिया, डा. आकांक्षा सिंह, डा. आलोक, डा. अमित और डा. विपलव चंद्र सरकार सहित अन्य शिक्षक-वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

पढ़ाई के साथ खेलों में भी दमखम दिखाएंगे माध्यमिक स्कूलों के छात्र

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को अब पढ़ाई के साथ खेल प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच मिलने जा रहा है। राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में करीब 4.92 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा मिनी स्टेडियम के अगले चार से पांच माह में तैयार होने की उम्मीद है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां माध्यमिक विद्यालयों की जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कराई जा सकेंगी। इससे खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं के लिए अन्य स्थानों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

आवास विकास संस्था की ओर से मिनी स्टेडियम का निर्माण कराया जा रहा है।

कार्य पूरा होने के बाद यहां कई प्रमुख खेल खेले जाएंगे। इनमें बैडमिंटन, वॉलीबाल, बास्केटबॉल,

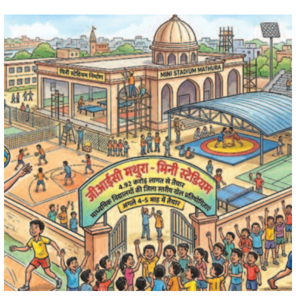

कुश्ती, जूडो–कराटे और टेबल टेनिस समेत अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा सकेंगी। खेल प्रशिक्षकों की देखरेख में छात्र अभ्यास करने के साथ प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले सकेंगे।

अभी जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए पर्याप्त खेल सुविधाएं उपलब्ध न होने के कारण खिलाड़ियों और विभाग को कई तरह की दिक्कतों का

जीआईसी के मिनी स्टेडियम में होंगी जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं

करीब 4.92 करोड़ रुपये की लागत से चल रहा निर्माण कार्य

सामना करना पड़ता है। मिनी स्टेडियम बनने के बाद एक ही परिसर में कई खेलों की प्रतियोगिताएं कराना आसान होगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से जिले में खेल सुविधाओं को और बेहतर करने की तैयारी की जा रही है। जल्द ही जिले में दो से तीन और मिनी स्टेडियम के लिए प्रस्ताव भेजे जा सकते हैं। इनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय इंटर कॉलेज, मॉडल स्कूल जैंत समेत अन्य स्थानों को शामिल किए जाने की संभावना है। प्रस्ताव स्वीकृत होने पर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भी खेल के लिए सुविधाएं मिल सकेंगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि बच्चों की पढ़ाई के साथ खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना भी जरूरी है। जीआईसी में बन रहा मिनी स्टेडियम माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलों में रुचि रखने वाले छात्रों को यहां अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने का बेहतर अवसर मिलेगा। मिनी स्टेडियम के तैयार होने से जिले की खेल प्रतिभाओं को नई पहचान मिलेगी।

नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में सैकड़ों लोगों की हुई जांच

निशुल्क नेत्र शिविर का शुभारंभ करते भारतीय शिक्षण मंडल के जिला संयोजक वरदान दीक्षित, साथ में संगठन के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। पुष्प विहार में कल्याण करोति संस्थान और गुरुकुल विद्यापीठ के संयुक्त सहयोग से निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लोगों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और जरूरतमंदों को निःशुल्क जांच की गई।

शिविर का शुभारंभ भारतीय शिक्षण मंडल के जिला संयोजक वरदान दीक्षित ने सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में सैकड़ों लोगों की आंखों की जांच की गई। जांच के बाद जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श और चश्मे के लिए प्रिस्क्रिप्शन दिए गए। दीक्षित ने संस्था द्वारा कराए गए इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि लोगों की दोबारा से आंखों की रोशनी दी है, इससे अच्छा और पुण्य कार्य और क्या हो सकता है।

इस मौके पर गुरुकुल विद्यापीठ के निदेशक जितेंद्र सिंह राठौर और कल्याण करोति संस्थान के मार्केटिंग मैनेजर अपूर्व शर्मा ने चिकित्सकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। शिविर में अतुल, पंकज, अबरार, रितिक, शिवम सहित चिकित्सक, स्थानीय नागरिक और अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

अंडर–14 जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता 29 अगस्त को

यूनिक समय, मथुरा। स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम गणेशरा में 29 अगस्त को सुबह 10 बजे से अंडर–14 बालक वर्ग की जिला स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का आयोजन खेल निदेशालय के तत्वावधान में हॉकी जादूगर स्व. मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में होगा।

जिला खेल कार्यालय के अनुसार, जिले के विद्यालयों और हॉकी क्लबों की टीमें प्रतियोगिता में भाग ले सकती हैं। इच्छुक टीमों को अपने खिलाड़ियों के नाम, पिता का नाम, पता और जन्मतिथि प्रमाण पत्र विद्यालय के लेटरहेड पर उपलब्ध कराना होगा। प्रतियोगिता में वही खिलाड़ी भाग ले सकेंगे, जिनकी आयु 31 दिसंबर 2026 को 14 वर्ष या उससे कम होगी। इच्छुक टीमें 27 अगस्त तक किसी भी कार्य दिवस में जिला खेल कार्यालय, स्व. मोहन पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम, गणेशरा में अपना पंजीकरण करा सकती हैं। हॉकी प्रशिक्षक शैलेष यादव के मोबाइल नंबर 8004221544 पर संपर्क कर सकते है। यह जानकारी उप क्रीड़ा अधिकारी आजाद सिंह ने दी।

गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस ने चेकिंग के दौरान अवैरनी घड़ा मंदिर से जुगसना जाने वाले रास्ते से अभियुक्त कलुआ निवासी नगला जमुनी थाना बल्देव के गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 366 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

बुलट चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने शहर से हुई बुलट बाइक चोरी के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की बाइक बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 19 अगस्त को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई की 18 अगस्त को मेहता नर्सिंग होम के समीप खड़ी उसकी बुलट मोटरसाइकिल चोरी हो गई है। पुलिस और स्वाट टीम बाइक चोरी करने वाले को तलाश कर रही थी। पुलिस अलवर पुल के समीप कच्चे रास्ते पर चेकिंग कर रही थी। पुलिस ने वहां से बुलट पर जाते एक युवक को चेकिंग के लिए रोक लिया। जानकारी करने पर पुलिस को पता लगा कि बरामद बुलट मेहता नर्सिंग होम के समीप से चोरी हुई है। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त अरविंद निवासी बोजिया थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस को गिरफ्तार कर लिया।

केआर महाविद्यालय का मनाया स्थापना दिवस

केआर महाविद्यालय का स्थापना दिवस मनाते हुए सदस्य और स्टाफ।

यूनिक समय, मथुरा। किशोरी रमण महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

महाविद्यालय परिवार के सदस्यों ने हवन में आहुति देकर महाविद्यालय की निरंतर प्रगति, समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना कर बधाई दी। प्राचार्य प्रो. पल्लवी सिंह ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्राओं को स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए महाविद्यालय की गौरवशाली शैक्षिक यात्रा और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक उच्च शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, संस्कार-सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस मौके पर प्रवक्ता, स्टाफ आदि मौजूद रहा।

सार्वजनिक सूचना

मैं जयवीर पुत्र श्री रतनलाल हाल निवासी म0 न0 1 गोपालधाम कालौनी पाली खेड़ा थाना हाईवे जिला मथुरा मेरा पुत्र विकास कुमार उर्फ बिट्टू मेरे कहने में नहीं है उसके द्वारा भविष्य में किये गए कृत्य व लेन -देन के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा तथा भविष्य में उसका मेरे परिवार व मुझसे कोई भी सम्बन्ध सरोकार नहीं होगा मैं उसे अपनी चल -अचल सम्पत्ति तथा आर्यन ट्रांसफोर्ट कंपनी से बेदखल करता हूँ

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पाचन बेहतर करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

प्रोटीन खाने के बाद पेट और सीने में क्यों होती है जलन

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रोटीन शरीर के लिए बेहद जरूरी पोषक तत्व है। यह मांसपेशियों के निर्माण, टिश्यू की मरम्मत, हार्मोन और कई जरूरी शारीरिक प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लेकिन जिम जाने वाले या हाई–प्रोटीन डाइट लेने वाले कुछ लोगों को प्रोटीन शेक या भारी भोजन के बाद पेट फूलना, गैस, एसिडिटी और सीने में जलन जैसी परेशानी होने लगती है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या प्रोटीन वास्तव में आसानी से नहीं पचता और इसे पचाने के लिए क्या किया जा सकता है? दरअसल, समस्या हमेशा प्रोटीन की वजह से ही नहीं होती। एक बार में बहुत ज्यादा खाना, भारी प्रोटीन शेक, अधिक फैट वाला भोजन, जल्दी–

जल्दी खाना या किसी खास खाद्य पदार्थ के प्रति संवेदनशीलता भी गैस और एसिड रिफ्लक्स को बढ़ा सकती है। इसलिए बार–बार होने वाली जलन को सिर्फ 'प्रोटीन न पचने' से जोड़ना सही नहीं है।

कौन से संकेत बताते हैं कि डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है: प्रोटीन युक्त भोजन के बाद लगातार ब्लोटिंग, गैस, पेट में भारीपन या असहजता महसूस हो तो खाने की मात्रा और स्रोत पर ध्यान देना चाहिए। अगर इसके साथ लगातार कमजोरी, बिना वजह वजन घटना, भूख कम होना, बाल–नाखून कमजोर होना या घाव भरने में देरी जैसी समस्याएं भी दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये लक्षण केवल प्रोटीन पाचन की समस्या के कारण नहीं, बल्कि अन्य स्वास्थ्य स्थितियों या पोषण की कमी से भी जुड़े हो सकते हैं।

प्रोटीन को बेहतर तरीके से लेने का सही तरीका: डाइट में प्रोटीन के साथ पर्याप्त फाइबर और कार्बोहाइड्रेट भी शामिल करें। दाल, दही, अंडे, पनीर, मछली या अन्य प्रोटीन स्रोत अपनी जरूरत और सहनशीलता के अनुसार लें। एक बार में बहुत अधिक प्रोटीन लेने के बजाय दिनभर में इसे अलग–अलग भोजन में बांटना अधिक आरामदायक हो सकता है।

भोजन धीरे–धीरे खाएं और अच्छी तरह चबाएं। प्रोटीन शेक लेते हैं तो उसे भी बहुत तेजी से पीने के बजाय धीरे–धीरे लें। खाने के तुरंत बाद लेटने से बचें, क्योंकि इससे एसिड रिफ्लक्स बढ़ सकता है। पर्याप्त पानी पूरे दिन पीते रहें, लेकिन भोजन के साथ बहुत अधिक पानी पीने की जरूरत नहीं है।

अगर हर बार प्रोटीन लेने के बाद तेज सीने में जलन, उल्टी, निगलने में परेशानी या लगातार पेट दर्द होता है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर है। सही कारण पता होने पर ही डाइट में उचित बदलाव किया जा सकता है।

आटा गूंथते समय 1 चम्मच तेल डालना सही या गलत

यूनिक समय, नई दिल्ली। रोटी भारतीय घरों की रोजमर्रा की थाली का अहम हिस्सा है, लेकिन हर किसी के हाथ की रोटी एक जैसी मुलायम और फूली हुई नहीं बनती। कई घरों में आटा गूंथते समय उसमें थोड़ा सा तेल या घी मिलाया जाता है। यह सिर्फ पुरानी परंपरा नहीं, बल्कि आटे की बनावट और रोटी के टेक्सचर को बेहतर करने का एक आसान तरीका भी हो सकता है। हालांकि, तेल की मात्रा और आटा गूंथने का तरीका सही होना जरूरी है।

आटे में तेल डालने से क्या बदलता है: आटा गूंथते समय करीब 1 चम्मच तेल या घी मिलाने से आटे के कणों पर हल्की चिकनाई की परत बनती है। इससे आटा ज्यादा चिपचिपा नहीं होता और उसकी बनावट कुछ नरम रहती है। इसका असर खासतौर पर पराठे, पूरी और ऐसी रोटियों में महसूस किया जा सकता है, जिन्हें कुछ समय बाद भी मुलायम रखना हो। तेल या घी रोटी को पूरी तरह सॉफ्ट बनाने की गारंटी नहीं देता, लेकिन सही मात्रा में इस्तेमाल

करने पर टेक्सचर बेहतर करने में मदद कर सकता है। बहुत ज्यादा तेल डालने से आटा जरूरत से ज्यादा चिकना हो सकता है और रोटी का सामान्य स्वाद और बनावट भी बदल सकती है।

टिफिन और सफर के लिए क्यों फायदेमंद: अगर रोटियां बनाकर कुछ घंटों बाद खानी हैं, तो आटे में थोड़ी मात्रा में फैट मिलाना उपयोगी हो सकता है। इससे रोटी के सूखने की गति कम हो सकती है और वह जल्दी कड़क महसूस नहीं होती। यही वजह है कि टिफिन या यात्रा के लिए बनाई जाने वाली रोटियों और पराठों में थोड़ा तेल या घी इस्तेमाल किया जाता है।

बेलना भी हो जाता है आसान: तेल वाला आटा हाथों और सतह पर कम चिपक सकता है। इससे डो को गूंथना, लोई बनाना और रोटी बेलना आसान हो जाता है। खासतौर पर पराठे या पूरी बनाते समय यह तरीका काफी सुविधाजनक हो सकता है।

जानिए रोटी सॉफ्ट बनाने का आसान तरीका

मुलायम रोटी के लिए सिर्फ तेल ही काफी नहीं: सॉफ्ट रोटी बनाने में पानी की मात्रा, गूंथने का तरीका और आटे को आराम देना भी महत्वपूर्ण है। आटा गूंथने के लिए सामान्य या हल्का गुनगुना पानी इस्तेमाल किया जा सकता है। पानी धीरे–धीरे डालें ताकि आटा न ज्यादा सख्त हो और न बहुत ढीला। आटा अच्छी तरह गूंथने के बाद उसे 15–20 मिनट ढककर रखना बेहतर रहता है। इस दौरान आटा पानी को अच्छी तरह सोखता है और अधिक लचीला हो जाता है।

इसलिए अगली बार आटा गूंथते समय 1 चम्मच तेल या घी आजमाया जा सकता है, लेकिन रोटी की नरमी के लिए सही पानी, अच्छी तरह गूंथना और पर्याप्त रेस्ट देना भी उतना ही जरूरी है।

वृद्धा की हत्या और जेवरात चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिकसमय, मथुरा। थाना बल्देव क्षेत्र में वृद्धा की हत्या कर जेवरात आदि चोरी करने वाले एक अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के जेवरात और देशी तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

झरोठा गांव में अकेली रह रही एक वृद्ध की हत्या कर उसके जेवरात आदि चोरी करने के मामले में थाना बल्देव में अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस मामले में जब गहराई से जांच की तो एक व्यक्ति का नाम प्रकाश में आया। पुलिस ने उसके मामले में दूसरे लोगों से भी जानकारी हासिल की। पुलिस ने इस मामले में बिजली घर झरोठा में काम करने वाले रमन उर्फ रमन बिहारी को पुलिस ने बिजली घर के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके कब्जे से कान के टॉप्स टूटी हुई पीतल की धातु और एक जोड़ी पायल, एक देशी तमंचा-कारतूस बरामद हुए हैं।

गोवर्धन में मिला शव अलीगढ़ के दिलीप का निकला

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोवर्धन क्षेत्र में मिले अज्ञात शव की शिनाख्त अलीगढ़ के दिलीप के रुप में परिवारीजनों ने आज पोस्टमार्टम ग्रह पर पहुंचकर की है। मृतक के बड़े भाई ने बताया कि शव उसके छोटे भाई दिलीप निवासी रामनगर कॉलोनी खेर जनपद अलीगढ़ का है। वह पांच दिन पूर्व घर से बिना बताए निकल आया था। वह पहले भी कई बार इस तरह घर से निकल चुका है। दिलीप शादी शुदा है, शराब पीने की बुरी लत होने के कारण घर से अकसर निकल जाता है। परिवार के लोग उसे तलाश कर रहे थे। इंटरनेट मीडिया पर गोवर्धन में मिले शव की सूचना पर परिवार के लोग उसकी तलाश में यहां आए और शव की शिनाख्त कर ली है।

भातु कॉलोनी में हरियाणा पुलिस की दबिश आरोपी घर छोड़कर फरार

यूनिक समय, कोसीकलां। थाने के पीछे बनी भातू कॉलोनी में शुक्रवार को हरियाणा के फरीदाबाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक घर पर दबिश दी। बताया गया कि फरीदाबाद पुलिस ने एक युवक को गांजा के साथ पकड़ा था। पूछताछ में युवक ने भातू कॉलोनी के एक घर से गांजा खरीदने की बात कबूली। इसके बाद पकड़े गए युवक को साथ लेकर पुलिस बताए गए घर पर पहुंची, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही गांजा बिक्री करने वालों को भनक लग गई और वे घर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने घर की तलाशी ली, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ा। पुलिस की इस कार्रवाई से कॉलोनी के लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि हरियाणा और राजस्थान की पुलिस आए दिन इस कॉलोनी में कार्रवाई करती रहती है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में लोग यहां से गांजा खरीदकर बिक्री के लिए ले जाते हैं।

घर लौटती छात्राओं से साधू ने की अभद्रता, फाड़े कपड़े

यूनिक समय, मथुरा। मांट थाना क्षेत्र में स्कूल से घर लौटती छात्राओं के साथ आश्रम के समीप साधू ने अभद्रता की और उनके कपड़े फाड़ दिए। इस मामले में साधू के खिलाफ थाने में तहरीर दी गई है।

स्कूल की छुट्टी होने के बाद छात्राएं गांव के लिए दयाल बाबा के आश्रम के समीप होकर जा रही थीं। छात्राओं को वहां रहने वाले वाले एक साधू ने जबरन रोक लिया और उन्हें

परिजनों ने दी पुलिस को तहरीर

आश्रम के अंदर ले जाने लगा। छात्राओं का आरोप है कि साधू ने 600–600 रुपये देने की बात भी कही। विरोध करने पर उसने छात्राओं के कपड़े फाड़ दिए और फरसा लेकर दौड़ने लगा। इस मामले में छात्राओं के परिजनों ने थाने में साधू के खिलाफ तहरीर दी है।

पहाड़ की चोटी से दिखता है हिमालय का अद्भुत नजारा

दिल्ली से 520 किमी दूर छिपा है उत्तराखंड का ये शिव धाम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली की भीड़भाड़ और रोजमर्रा की भागदौड़ से दूर किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, जहां धार्मिक आस्था के साथ प्रकृति की खूबसूरती भी देखने को मिले, तो उत्तराखंड का थलकेदार मंदिर आपके लिए खास जगह हो सकती है। पिथौरागढ़ के पास पहाड़ की चोटी पर स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर शांत वातावरण, घने जंगलों और हिमालय की शानदार चोटियों के नजारों के लिए जाना जाता है। दिल्ली से इसकी दूरी करीब 520 किलोमीटर बताई जाती है।

थलकेदार मंदिर पिथौरागढ़ शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर और समुद्र तल से करीब 2,480 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। ऊंचाई पर होने के कारण यहां पहुंचते ही मैदानी इलाकों से बिल्कुल अलग पहाड़ी वातावरण महसूस होता है। चारों तरफ हरियाली, पहाड़ी गांव, सीढ़ीनुमा खेत और जंगल इस सफर को और खूबसूरत बना देते हैं। यह जगह उन लोगों के लिए भी आकर्षक है जो धार्मिक यात्रा के साथ कुछ समय प्रकृति के बीच सुकून से बिताना चाहते हैं।

सड़क से सफर और फिर पहाड़ी चढ़ाई: दिल्ली से थलकेदार पहुंचने के लिए सड़क मार्ग से गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, रामपुर, रुद्रपुर, हल्द्वानी, टनकपुर और चंपावत होते हुए पिथौरागढ़ पहुंचा जा सकता है। सड़क की स्थिति, मौसम और ट्रैफिक के आधार पर यात्रा में करीब 8 से 10 घंटे या उससे अधिक समय लग सकता है। पिथौरागढ़ पहुंचने के बाद मंदिर की ओर जाने वाला रास्ता पहाड़ी और अपेक्षाकृत संकरा है। अंतिम हिस्से में पैदल चढ़ाई भी

करनी पड़ सकती है, इसलिए बुजुर्गों और छोटे बच्चों के साथ यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी जरूरी है।

शिवलिंग के रूप में विराजमान हैं भगवान शिव: थलकेदार मंदिर भगवान शिव को समर्पित है, जहां भोलेनाथ की पूजा शिवलिंग के रूप में की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस स्थान का संबंध प्राचीन शिव परंपरा से है। स्कंद पुराण में इस पर्वत का उल्लेख 'स्थाकिल पर्वत' और मंदिर का नाम 'स्थलकेदार' बताए जाने की जानकारी मिलती है। महाशिवरात्रि और नवरात्रि जैसे अवसरों पर मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ जाती है।

एक जगह से दिखती हैं कई हिमालयी चोटियां: थलकेदार की सबसे बड़ी खासियत इसका प्राकृतिक दृश्य है। मौसम साफ होने पर यहां से बद्रीनाथ, केदारनाथ, नंदा देवी, त्रिशूल और पंचचूली जैसी हिमालयी चोटियों के मनोरम दृश्य दिखाई देने की बात कही जाती है। सुबह और शाम के समय पहाड़ों का बदलता रंग इस जगह को और आकर्षक बना देता है। आसपास बांज, बुरांश और खर्सू के जंगल इस क्षेत्र की प्राकृतिक खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं।

जाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान: थलकेदार ऊंचाई वाले क्षेत्र में स्थित है और मंदिर तक पहुंचने के लिए पैदल चढ़ाई करनी पड़ सकती है। इसलिए आरामदायक और अच्छी पकड़ वाले जूते पहनना बेहतर रहेगा। पर्याप्त पानी, जरूरी दवाइयां और हल्के गर्म कपड़े साथ रखें। पहाड़ों में मौसम तेजी से बदल सकता है, इसलिए निकलने से पहले मौसम और स्थानीय सड़क की स्थिति की जानकारी जरूर लें। बुजुर्गों या बच्चों के साथ जा रहे हैं तो यात्रा को जल्दबाजी में पूरा करने के बजाय पर्याप्त समय लेकर चलें।

धार्मिक आस्था, शांत पहाड़ और हिमालयी नजारों का संगम तलाश रहे यात्रियों के लिए थलकेदार एक शांत और अपेक्षाकृत कम चर्चित पहाड़ी गंतव्य हो सकता है, जहां यात्रा का अनुभव मंदिर तक पहुंचने से पहले ही शुरू हो जाता है।

सुविचार

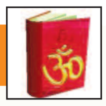

मनुष्य वही बनता है, जो वह अपने विचारों में स्वयं को मानता है।

— महात्मा गांधी

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	02:00-04:18 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	मूल	02:49-05:44 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:57 AM	चन्द्रोदय	02:55 PM
सूर्यास्त		6:46 PM	चंद्रास्त	01:07 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		11:56AM –12:48 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:20-05:08
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:09 AM: 10:46 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

कैलाश से निकली शिव बारात, इसी पावन धरा पर ठहरी थी

स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन को पहुंचते हैं श्रद्धालु

रहस्यमयी पेड़ से जुड़ी है भूतों वाली मान्यता

यूनिक समय, मथुरा। देवभूमि उत्तराखंड में भगवान शिव से जुड़ी अनेक पौराणिक मान्यताएं आज भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हैं। हरिद्वार के श्यामपुर क्षेत्र में राजाजी बाघ अभयारण्य के घने जंगलों और नजीबाबाद मार्ग के पास स्थित श्री कुंडी सोटेश्वर महादेव मंदिर भी ऐसी ही धार्मिक आस्था से जुड़ा है। स्थानीय मान्यता है कि माता पार्वती से विवाह के लिए कैलाश से निकली भगवान शिव की बारात इसी स्थान पर कुछ समय के लिए रुकी थी।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर में स्थापित शिवलिंग को स्वयंभू माना जाता है। मान्यता है कि यह शिवलिंग खुदाई के दौरान प्राकृतिक रूप से प्रकट हुआ था। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से यहां की गई प्रार्थना भगवान शिव तक अवश्य पहुंचती है। मंदिर का शांत वातावरण और आसपास की प्राकृतिक सुंदरता इसे धार्मिक दृष्टि से विशेष बनाती है। किंवदंती के अनुसार, भगवान शिव की बारात में देवताओं के साथ उनके गण, भूत-प्रेत और दिव्य शक्तियां भी शामिल थीं। बारात के दौरान भगवान शिव ने यहां विश्राम किया था। मान्यता यह भी है कि उनके गणों ने इसी स्थान पर कुंडी सोटा में भांग घोटी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, खुदाई के दौरान इसके अवशेष मिलने की बातें सामने आती रही हैं। मंदिर क्षेत्र में एक पेड़ को लेकर भी रहस्यमयी मान्यता प्रचलित है। कहा जाता है कि शिव बारात में शामिल कुछ भूत-प्रेत भांग के नशे में बारात से बिछड़ गए और इसी पेड़ पर ठहर गए। स्थानीय विश्वास के कारण लोग आज भी पेड़ के आसपास जाने से बचते हैं।

मान्यता है कि पेड़ पर रहने वाली इन अदृश्य शक्तियों के लिए प्रतिदिन भोजन पहुंचाया जाता है। श्रद्धालुओं में विश्वास है कि वह भोजन वे आज भी ग्रहण करते हैं। धार्मिक आस्था, पौराणिक कथाओं और प्राकृतिक वातावरण के कारण श्री कुंडी सोटेश्वर महादेव मंदिर हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

चार सितंबर की अष्टमी तिथि को मनेगी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, रात का पूजन है शुभ

यूनिक समय, मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पर्व जन्माष्टमी इस वर्ष चार सितंबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार भाद्रपद कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को मथुरा में माता देवकी के गर्भ से भगवान कृष्ण का जन्म हुआ था। इसी कारण जन्माष्टमी पर श्रद्धालु व्रत रखकर मध्यरात्रि में बाल गोपाल की पूजा-अर्चना करते हैं।

पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि चार सितंबर को रात 2:25 बजे से शुरू होकर पांच सितंबर की रात 12:13 बजे तक रहेगी।

रोहिणी नक्षत्र भी चार सितंबर को रात 12:29 बजे से रात 11:04 बजे तक रहेगा। भगवान श्रीकृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र में मध्यरात्रि के समय हुआ था, इसलिए इस दिन रात की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है।

मध्यरात्रि में बाल गोपाल की पूजा होगी

जन्माष्टमी पर भगवान कृष्ण की पूजा का सबसे शुभ समय चार सितंबर की रात 11:57 बजे से 12:43 बजे तक रहेगा। श्रद्धालु इस दौरान बाल गोपाल का पंचामृत से अभिषेक कर नए वस्त्र पहनाएंगे। भगवान को मोरपंख, बांसुरी और तुलसी दल अर्पित किया जाएगा। इसके बाद माखन-मिश्री, पंजीरी और खीर का भोग लगाकर आरती की जाएगी।

जन्माष्टमी व्रत का पारण पांच सितंबर को सुबह 6:01 बजे के बाद किया जा सकेगा। हालांकि व्रत खोलने की परंपरा अलग-अलग स्थानों पर अलग हो सकती है। कई श्रद्धालु मध्यरात्रि पूजा के बाद पारण करते हैं, जबकि कुछ सूर्योदय के बाद व्रत खोलते हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में झांकियां सजाने और भगवान को झूला झुलाने की भी विशेष परंपरा है।

तेज पत्ते का यह उपाय घर में सुख-शांति बढ़ाए

पूजा के बाद तेज पत्ता जलाने की परंपरा

धुआं करते समय सुरक्षा का रखें विशेष ध्यान

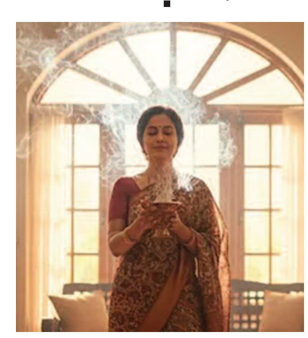

यूनिक समय, मथुरा। तेज पत्ता भारतीय रसोई में स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही लोकमान्यताओं में इसे धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व वाला भी माना गया है। मान्यता है कि तेज पत्ते का धुआं घर के वातावरण को सकारात्मक बनाने में सहायक होता है। हालांकि, इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है और इसे आस्था से जुड़ी परंपरा के रूप में ही देखना चाहिए।

मान्यता के अनुसार गुरुवार या शुक्रवार की शाम पूजा के बाद एक-दो सूखे तेज पत्ते अग्निरोधी पात्र में रखकर सावधानी से जलाए जाते हैं। इसके बाद धुएं को घर के विभिन्न हिस्सों तक ले जाने की परंपरा है। इस दौरान लोग अपनी श्रद्धा के अनुसार भगवान का नाम या मंत्र का जाप करते हैं। कुछ लोग प्रक्रिया पूरी होने के बाद दरवाजे और खिड़कियां खोल देते हैं।

तेज पत्ता जलाते समय आग से बचाव का विशेष ध्यान रखना चाहिए। इसे बच्चों और पालतू जानवरों से दूर रखें। बंद कमरे में अधिक धुआं न करें तथा धुएं से संवेदनशील लोगों के आसपास यह उपाय करने से बचें। घर का वातावरण बेहतर रखने के लिए सफाई, पर्याप्त रोशनी, हवा और परिवार में मधुर संवाद भी जरूरी है।

कल का राशिफल

मेषः मेहनत से रुके कार्य पूरे होंगे, धन लाभ के अवसर मिलेंगे, परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा।

वृषभः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे और सहयोग मिलेगा ।

मिथुनः महत्वपूर्ण निर्णय सोच समझकर लें, व्यापार में लाभ होगा, मित्रों से मुलाकात मन प्रसन्न रखेगी और उत्साह बढ़ेगा।

कर्कः नौकरी में प्रगति के संकेत हैं, परिवार का सहयोग मिलेगा, पुराने विवाद समाप्त होंगे और मानसिक शांति मिलेगी।

सिंहः सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, रुका धन वापस मिल सकता है, व्यापार में नए अवसर मिलेंगे और सफलता प्राप्त होगी।

कन्याः कार्यभार बढ़ सकता है, लेकिन मेहनत सफल होगी, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और परिवार में खुशियां बनी रहेंगी।

तुलाः आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलेगी, प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और मन प्रसन्न रहेगा।

वृश्चिकः पुराने मित्र से मुलाकात होगी, व्यापार में लाभ मिलेगा, परिवार में उत्सव जैसा माहौल बनेगा और प्रसन्नता रहेगी।

धनुः यात्रा के योग बन रहे हैं, नए संपर्क लाभ देंगे, धन संबंधी परेशानियां दूर होंगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

मकरः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा, निवेश में लाभ संभव है और पारिवारिक संबंध मजबूत होंग।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी, आर्थिक लाभ होगा, मित्र सहयोग करेंगे और नई योजनाएं आकार लेंगी ।

मीनः मनचाहा परिणाम मिल सकता है, नौकरी में तरक्की होगी, परिवार का साथ मिलेगा और स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

रक्षा बंधन पर इस बार भद्रा से नहीं पड़ेगी कोई बाधा

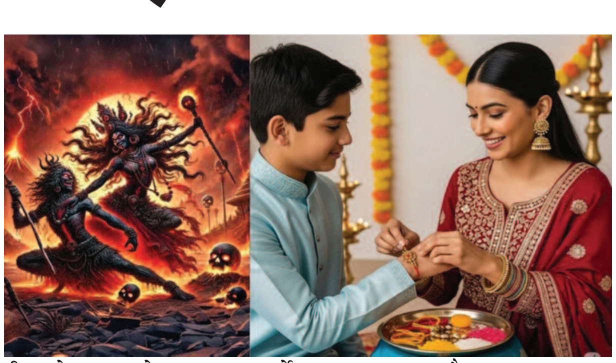

यूनिक समय, मथुरा। रक्षा बंधन भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पर्व है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उसकी सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार किसी भी मांगलिक कार्य से पहले शुभ मुहूर्त देखना आवश्यक माना जाता है। इसी कारण रक्षा बंधन पर भी भद्रा काल का विशेष ध्यान रखा जाता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भद्रा सूर्यदेव और छाया की पुत्री तथा शनिदेव की बहन हैं। उनका स्वरूप उग्र बताया गया है। मान्यता है कि जन्म से ही उनके स्वभाव के कारण शुभ कार्यों में बाधा आने लगी थी। इसके बाद ब्रह्मा जी ने उन्हें पंचांग के विष्टि करण में स्थान दिया। इसी विष्टि करण को भद्रा कहा जाता है।

हिंदू पंचांग में तिथि, वार, नक्षत्र, योग और करण पांच अंग होते हैं। एक तिथि में दो करण होते हैं। कुल 11

रक्षा बंधन पर भद्रा क्यों मानी जाती है अशुभ?

भद्रा कौन हैं और पंचांग में कैसे मिली जगह?

करणों में विष्टि करण को भद्रा माना गया है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार भद्रा अलग-अलग तिथियों के निर्धारित हिस्सों में रहती हैं। धार्मिक मान्यताओं में भद्रा काल को उग्र और मांगलिक कार्यों के लिए प्रतिकूल माना गया है। इसलिए इस अवधि में विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्यों के साथ राखी बांधने से भी बचने की परंपरा है। पौराणिक कथाओं में भद्रा से जुड़े कई प्रसंग मिलते हैं, जिनके आधार पर इस समय को शुभ कार्यों के लिए अनुपयुक्त माना गया।

वर्ष 2026 में रक्षा बंधन का पर्व 28 अगस्त, शुक्रवार को मनाया जाएगा। पंचांग गणना के अनुसार इस दिन भद्रा सूर्योदय से पहले ही समाप्त हो जाएगी। इसलिए राखी बांधने के शुभ समय में भद्रा की बाधा नहीं रहेगी। बहनें शुभ मुहूर्त में भाई की कलाई पर राखी बांधकर पर्व मना सकेंगी।

सम्पादकीय

बचपन बचाना है तो सोशल मीडिया पर लगाम जरूरी

सोशल मीडिया कभी बदलाव और जनजागरण का प्रभावी माध्यम माना जाता था, लेकिन आज यही मंच बच्चों और किशोरों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनता जा रहा है। जिस पश्चिमी दुनिया ने सोशल मीडिया को अभिव्यक्ति की ताकत के रूप में स्थापित किया, वही अब इसके दुष्प्रभावों से चिंतित होकर नाबालिगों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में बढ़ रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए कई प्रमुख सामाजिक मंचों पर रोक लगाई है। फ्रांस भी 15 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रतिबंध का कानून लाने की कोशिश कर रहा है। इंडोनेशिया,

पवन गौतम
संपादक

मलेशिया, डेनमार्क, तुर्की और ब्रिटेन समेत कई देश बच्चों को सामाजिक माध्यमों की लत से बचाने के उपाय कर रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर दुनिया को यह कदम क्यों उठाना पड़ रहा है?

लगातार पर्दे पर नजरें टिकाए रहने और सामाजिक माध्यमों पर दूसरों की जिंदगी से तुलना करने से बच्चों में तनाव, हीन भावना और अवसाद बढ़ने की आशंका रहती है। देर रात तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित होती है और चिड़चिड़ापन बढ़ता है। इसके अलावा हिंसा, अश्लीलता और उम्र के अनुकूल न होने वाली सामग्री बच्चों तक आसानी से पहुंच जाती है। सामाजिक माध्यमों की आभासी लोकप्रियता पाने की होड़ भी कम उम्र के मन पर गहरा असर डाल रही है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

भारत में स्थिति पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। यहां सामाजिक माध्यमों का उपयोग सूचना, शिक्षा और जनहित के लिए भी हो रहा है, लेकिन अश्लीलता, भ्रामक सामग्री और आपत्तिजनक व्यवहार का प्रसार भी चिंता बढ़ा रहा है।

बच्चों को इससे पूरी तरह दूर रखना शायद व्यावहारिक समाधान न हो, लेकिन उनकी उम्र के अनुरूप उपयोग, समय सीमा और सामग्री पर निगरानी जरूरी है।

माता–पिता की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को केवल मोबाइल से दूर रखने के बजाय उन्हें खेल, किताब, रचनात्मक गतिविधियों और परिवार के साथ संवाद का पर्याप्त अवसर देना होगा। विद्यालयों को भी डिजिटल अनुशासन और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग की शिक्षा देनी चाहिए।

सोशल मीडिया को बंद करना समाधान नहीं, लेकिन बचपन को उसके हवाले कर देना भी समझदारी नहीं। तकनीक मनुष्य के लिए है, मनुष्य तकनीक के लिए नहीं। यदि आज बच्चों के बचपन, मानसिक स्वास्थ्य और भविष्य की रक्षा के लिए संतुलित नियम बनाए गए, तभी सामाजिक माध्यम वास्तव में समाज के हित का माध्यम बने रहेंगे।

नजरिया

धरने से सुर्खियां मिलेंगी, छात्रों को न्याय कब मिलेगा?

नीरज कुमार दुबे

राहुल गांधी का राजनीति करने का अंदाज अब एक बार फिर चर्चा में है। जंतर–मंतर पर छात्र आंदोलन के दौरान घायल हुए छात्र साहिल लोचव के साथ पुलिस अधिकारियों से मिलने और शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग को लेकर धरने पर बैठने के उनके कदम ने कई सवाल खड़े किए हैं। छात्र के साथ खड़ा होना और कथित पुलिस ज्यादती के खिलाफ आवाज उठाना लोकतंत्र में पूरी तरह जायज है। लेकिन जब यही भूमिका लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष निभा रहे हों, तब सवाल केवल एक छात्र की शिकायत का नहीं रह जाता। सवाल यह भी बनता है कि राहुल गांधी की यह राजनीति न्याय दिलाने की कोशिश है या फिर छात्रों के बीच राजनीतिक जमीन मजबूत करने की कवायद?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के पास सरकार को घेरने के लिए संसद का मजबूत मंच है। वह सरकार से सवाल पूछ सकते हैं, संसदीय जांच की मांग कर सकते हैं, संबंधित मंत्रियों से जवाब मांग सकते हैं और जरूरत पड़ने पर न्यायिक प्रक्रिया में पीड़ितों की आवाज उठा सकते हैं। ऐसे में पुलिस अधिकारियों से मिलने के बाद वहीं धरने पर बैठ जाना उनकी राजनीतिक शैली को लेकर बहस खड़ी करता है। धरना लोकतांत्रिक विरोध का प्रभावी माध्यम है, लेकिन क्या हर संस्थागत समस्या का समाधान सड़क पर बैठकर ही निकलेगा?

जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए छात्र प्रदर्शन के मामले में पहले से ही गंभीर आरोप और प्रत्यारोप हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर अत्यधिक बल प्रयोग, लाठीचार्ज और कथित तौर पर पेलेट गन इस्तेमाल करने के आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर पुलिस का पक्ष है कि प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ी और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए बल का इस्तेमाल करना पड़ा। पुलिस ने यह भी कहा है कि उसके कई कर्मी घायल हुए। यानी मामला एकतरफा नहीं है और इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मामला न्यायालय तक पहुंच चुका है और जांच की प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में किसी भी राजनीतिक दल को जांच पूरी होने से पहले निष्कर्ष सुनाने से बचना चाहिए। यदि किसी छात्र पर गलत तरीके से बल प्रयोग हुआ है तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। यदि किसी प्रदर्शनकारी ने कानून तोड़ा है तो उसके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लोकतंत्र में न्याय का अर्थ यही है कि व्यक्ति की पहचान या राजनीतिक समर्थन के आधार पर नहीं, बल्कि प्रमाण और कानून के आधार पर फैसला हो।

यहीं राहुल गांधी की भूमिका पर सवाल खड़े होते हैं। यदि किसी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की जा रही थी तो उसे दर्ज कराने के लिए कानूनी रास्ता अपनाया जा

सकता था। संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से जवाब मांगा जा सकता था। न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जा सकता था। संसद में इस मुद्दे को उठाया जा सकता था। लेकिन पुलिस कार्यालय के बाहर धरना देना निश्चित रूप से अधिक दृश्य पैदा करता है। राजनीति में दृश्य की अपनी ताकत होती है। कैमरे सामने हों तो कुछ घंटों का धरना राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाता है। यही वजह है कि राहुल गांधी की इस कार्रवाई को केवल प्रशासनिक हस्तक्षेप मानना मुश्किल है। यहां एक और राजनीतिक पहलू नजर आता है। देश में छात्र राजनीति धीरे–धीरे फिर महत्वपूर्ण होती दिखाई दे रही है। परीक्षा व्यवस्था, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, बेरोजगारी, शिक्षा की गुणवत्ता और प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता जैसे मुद्दे लाखों युवाओं को प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे समय में जो राजनीतिक दल छात्रों के बीच अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर लेगा, उसके पास भविष्य की राजनीति के लिए बड़ा आधार होगा। राहुल गांधी निश्चित रूप से इस बदलते माहौल को समझते होंगे। यही कारण है कि छात्रों से जुड़े आंदोलनों में उनकी सक्रियता को केवल संयोग मानना कठिन है। छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याएं उठाना सकारात्मक कदम है, लेकिन यह भी जरूरी है कि राजनीति केवल विरोध तक सीमित न रहे। छात्र पूछेंगे कि परीक्षा व्यवस्था कैसे सुधरेगी? प्रश्नपत्रों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी? प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता कैसे आएगी? सरकारी विद्यालयों की स्थिति कैसे सुधरेगी? रोजगार के अवसर कैसे बढ़ेंगे? इन सवालों के जवाब धरने से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों से मिलेंगे।

राहुल गांधी के सामने असली चुनौती भी यही है। यदि वह छात्रों के मुद्दों को राजनीतिक अभियान बनाना चाहते हैं तो उन्हें केवल सरकार की आलोचना से आगे जाना होगा। उन्हें यह बताना होगा कि शिक्षा व्यवस्था के लिए उनकी अपनी नीति क्या है। परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए क्या व्यवस्था होनी चाहिए। छात्रों की शिकायतों के निस्तारण के लिए कौन–सा तंत्र बनाया जाएगा। राज्यों में जहां उनकी पार्टी की सरकारें हैं, वहां इन सुधारों को लागू करने की पहल क्यों नहीं की जाती? यदि राहुल गांधी इन सवालों के ठोस जवाब देते हैं तो उनकी छात्र राजनीति कहीं अधिक प्रभावशाली होगी।

सिर्फ धरने और विरोध प्रदर्शन से राजनीतिक संदेश जरूर बनता है, लेकिन उससे समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलता। आज का युवा केवल नारे नहीं सुनना चाहता। वह अपने भविष्य को लेकर जवाब चाहता है। उसे ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे रोजगार की संभावना बढ़े। उसे ऐसी परीक्षा व्यवस्था चाहिए जिसमें मेहनत करने वाले विद्यार्थी को भरोसा हो कि उसके साथ अन्याय नहीं होगा। उसे ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें शिकायत करने पर उसे महीनों कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस दृष्टि से साहिल लोचव का मामला भी गंभीर है। यदि वह पुलिस कार्रवाई में घायल हुए हैं और उनकी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज करने से इनकार किया गया है तो इसकी जांच होनी चाहिए। राहुल गांधी ने उनके पक्ष में आवाज उठाकर कोई गलत काम नहीं किया। बल्कि विपक्ष का काम ही है कि वह कमजोर पक्ष की आवाज बने। लेकिन इसके साथ यह भी सुनिश्चित करना होगा कि किसी पीड़ित की व्यक्तिगत समस्या को राजनीतिक प्रदर्शन का साधन न बना दिया जाए। न्याय की लड़ाई में पीड़ित केंद्र में होना चाहिए, नेता नहीं। राहुल गांधी के राजनीतिक सफर में सड़क पर उतरने की रणनीति नई नहीं है। उन्होंने अनेक मौकों पर धरने, मार्च और विरोध प्रदर्शन के जरिए सरकार को घेरा है। इस रणनीति ने उन्हें राजनीतिक सक्रियता की पहचान जरूर दी है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष के पद की अपेक्षाएं इससे कहीं बड़ी हैं। नेता प्रतिपक्ष केवल विरोध करने वाला नेता नहीं होता। वह वैकल्पिक शासन और नीति की आवाज भी होता है। इसलिए राहुल गांधी को यह साबित करना होगा कि उनकी राजनीति केवल सरकार को घेरने तक सीमित नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार का विकल्प भी देती है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि पुलिस और प्रशासन पर राजनीतिक दबाव बनाना लोकतंत्र की स्वस्थ परंपरा नहीं बन सकता। यदि किसी अधिकारी ने कानून का उल्लंघन किया है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यह कार्रवाई कानून के तहत होनी चाहिए। यदि प्रत्येक प्राथमिकी के लिए किसी बड़े नेता को थाने के बाहर धरना देना पड़े तो इससे संस्थाओं की स्वतंत्रता पर भी प्रश्न खड़े होंगे। मजबूत लोकतंत्र वही है जिसमें आम नागरिक भी बिना किसी राजनीतिक संरक्षण के अपनी शिकायत दर्ज करा सके और उसे न्याय मिल सके। राहुल गांधी के लिए यह मौका अपनी राजनीति को एक नई दिशा देने का भी है। वह चाहें तो इस आंदोलन को केवल एक छात्र की शिकायत तक सीमित रखने के बजाय देशभर के विद्यार्थियों की वास्तविक समस्याओं पर व्यापक बहस खड़ी कर सकते हैं। परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल शिक्षा, सरकारी विद्यालय, उच्च शिक्षा की पहुंच, छात्रवृत्ति और रोजगार जैसे मुद्दों पर विस्तृत नीति सामने रख सकते हैं। ऐसा हुआ तो उनका आंदोलन केवल एक दिन की राजनीतिक सुर्खी नहीं रहेगा, बल्कि छात्रों के भविष्य से जुड़ा अभियान बन सकता है।

विचार विंडो

संकट में जो साथ खड़े हों, उनका सम्मान जरूरी

डॉ. रमेश ठाकुर

प्राकृतिक आपदा हो, युद्ध की विभीषिका हो, महामारी का संकट हो या किसी हिंसक घटना से पैदा हुई त्रासदी– मुश्किल समय में मानवता की असली परीक्षा होती है। ऐसे अवसरों पर कुछ लोग अपनी सुरक्षा और सुविधाओं की चिंता किए बिना दूसरों की मदद के लिए आगे आते हैं। यही लोग मानवीय सहायता की सबसे मजबूत कड़ी होते हैं। 19 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व मानवतावादी दिवस हमें ऐसे ही लोगों के साहस, समर्पण और सेवा भावना को याद करने का अवसर देता है।

मानवीय सहायता कर्मी, स्वयंसेवक, नागरिक सुरक्षा कर्मी, चिकित्साकर्मी और शांति सैनिक संकटग्रस्त लोगों के लिए उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं। जब सामान्य जीवन पूरी तरह अस्त–व्यस्त हो जाता है, तब यही लोग राहत, भोजन, चिकित्सा, बचाव और सुरक्षा पहुंचाने में जुट जाते हैं। कई बार उन्हें ऐसे क्षेत्रों में जाना पड़ता है, जहां खतरा लगातार बना रहता है। इसके बावजूद उनका कर्तव्य उन्हें पीछे हटने नहीं देता। विश्व मानवतावादी दिवस का इतिहास भी त्याग और बलिदान की ऐसी ही कहानी से जुड़ा है। 19 अगस्त 2003 को इराक की राजधानी बगदाद में संयुक्त राष्ट्र के कार्यालय पर हुए घातक बम हमले में मानवीय सहायता से जुड़े 22 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना ने पूरी दुनिया को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूसरों की जान बचाने के लिए काम करने वाले लोगों की सुरक्षा कितनी महत्वपूर्ण है। इसके बाद संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2008 में 19 अगस्त को विश्व मानवतावादी दिवस

के रूप में मनाने का निर्णय लिया।

इस दिवस का उद्देश्य केवल मानवीय सहायता कर्मियों को याद करना नहीं, बल्कि समाज में यह चेतना पैदा करना भी है कि संकट में फंसे व्यक्ति की मदद करना प्रत्येक मनुष्य की जिम्मेदारी है। मानवता किसी धर्म, जाति, भाषा या सीमा की मोहताज नहीं होती। जब कोई व्यक्ति विपत्ति में होता है, तब उसके सामने सबसे पहले इंसान होने का प्रश्न होता है और सहायता करने वाले के सामने भी मानव होने का कर्तव्य।

आज दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और हिंसा के कारण आम नागरिकों का जीवन संकट में है। ऐसे क्षेत्रों में राहतकर्मी और शांति सैनिक लगातार जोखिम उठाकर लोगों तक सहायता पहुंचाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि कई बार इन्हीं लोगों को हिंसा का निशाना बनाया जाता है। हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र के शांति सैनिकों पर हुए हमलों ने इस चिंता को और गंभीर किया है। शांति सैनिकों पर हमला केवल कुछ व्यक्तियों पर हमला नहीं होता। यह अंतरराष्ट्रीय शांति और मानवीय मूल्यों पर भी प्रहार होता है। भारत ने हमेशा संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और शांति सैनिकों की सुरक्षा तथा उनके विरुद्ध अपराध करने वालों की जवाबदेही की वकालत की है। यह आवश्यक है कि संघर्ष क्षेत्रों में काम करने वाले राहतकर्मियों और शांति सैनिकों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत पर्याप्त सुरक्षा मिले।

मानवीय सहायता को राजनीति से अलग रखना भी समय की मांग है। किसी आपदा या संघर्ष में सहायता पहुंचाने वाले व्यक्ति की पहचान उसके संगठन या देश से नहीं, बल्कि उसके कार्य से होनी चाहिए। भोजन पहुंचाने वाला स्वयंसेवक, घायल को अस्पताल पहुंचाने वाला नागरिक, मलबे में फंसे व्यक्ति को निकालने वाला बचावकर्मी या सीमा पर शांति कायम रखने वाला सैनिक–सभी मानवता की रक्षा में योगदान दे रहे हैं।

भारत में भी स्वयंसेवा और सामाजिक सेवा की लंबी परंपरा रही है। बाढ़, भूकंप, महामारी और अन्य आपदाओं के दौरान आम नागरिकों ने बढ़–चढ़कर राहत कार्यों में हिस्सा लिया है। अनेक सामाजिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन बिना किसी प्रचार की अपेक्षा के जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाते हैं।

इन प्रयासों को केवल संकट के समय याद करने के बजाय समाज में स्थायी सम्मान मिलना चाहिए।

सरकारों की भी जिम्मेदारी है कि मानवीय सहायता में लगे स्वयंसेवकों और कर्मियों के लिए प्रशिक्षण, सुरक्षा उपकरण, बीमा और आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था की जाए। केवल सम्मान समारोह आयोजित कर देना पर्याप्त नहीं है। जो लोग दूसरों की जान बचाने के लिए अपने जीवन को जोखिम में डालते हैं, उनके परिवारों और भविष्य की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए।

मानवता की सबसे बड़ी पहचान यही है कि संकट के समय हम किसके साथ खड़े होते हैं। सामान्य परिस्थितियों में सहानुभूति व्यक्त करना आसान है, लेकिन असली परीक्षा तब होती है जब सामने खतरा हो। ऐसे समय में जो व्यक्ति भय के बावजूद मदद के लिए आगे बढ़ता है, वह समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।

विश्व मानवतावादी दिवस हमें यही संदेश देता है कि सहायता करने वालों की सुरक्षा और सम्मान केवल सरकार या किसी अंतरराष्ट्रीय संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। यह पूरे समाज का दायित्व है। यदि हम चाहते हैं कि विपत्ति के समय कोई हमारे लिए खड़ा हो, तो हमें भी दूसरों की कठिन घड़ी में आगे आना होगा। मानवता किसी पुरस्कार की अपेक्षा नहीं करती, लेकिन मानवतावादी कार्य करने वालों को सम्मान जरूर मिलना चाहिए। उनका सम्मान इसलिए नहीं कि उन्होंने कोई असाधारण काम किया, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कठिन समय में इंसान होने का अर्थ समझाया। संकट चाहे कितना भी बड़ा हो, जब कोई मदद के लिए हाथ बढ़ाता है तो उम्मीद बची रहती है। यही उम्मीद मानवता की सबसे बड़ी ताकत है और इसे सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

चांदीमल बाहर, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

भारत–श्रीलंका के दूसरे टेस्ट से पहले बड़ा बदलाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो में खेला जाएगा। पहले टेस्ट में हार के बाद श्रीलंका की टीम अब दूसरे मुकाबले में वापसी के इरादे से मैदान पर उतरेगी। इसी बीच श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने दूसरे टेस्ट के लिए अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। चोट और खिलाड़ियों की उपलब्धता को देखते हुए टीम में कई बदलाव किए गए हैं। श्रीलंका के अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। चांदीमल पहले टेस्ट के दौरान कनकशन की वजह से मुकाबले से बाहर हुए थे। अब वह दूसरे टेस्ट में भी टीम का हिस्सा नहीं होंगे। उनकी जगह कामिल मिशारा और सहान अराछिगे को स्क्वाड में शामिल किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। ऐसे में अगर दोनों में से किसी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलती है तो यह उनका टेस्ट डेब्यू होगा। इसके अलावा निशान मदुश्का, रमेश मेंडिस और दिलशान मदुशंका को भी दूसरे टेस्ट के स्क्वाड से बाहर कर दिया गया है। श्रीलंका के लिए यह मुकाबला बेहद अहम है, क्योंकि टीम सीरीज का पहला मैच गंवा चुकी है और अब उसके सामने सीरीज बराबर करने की चुनौती है। वहीं भारत की नजर लगातार दूसरे मुकाबले में जीत दर्ज कर सीरीज पर कब्जा जमाने पर होगी। भारत और श्रीलंका के बीच यह सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत खेली जा रही है। डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका में भारत फिलहाल पांचवें और श्रीलंका छठे स्थान पर है। ऐसे में दूसरे टेस्ट में जीत दोनों टीमों के लिए अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण होगी।

दूसरे टेस्ट के लिए श्रीलंका के स्क्वाड में लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सूर्याबांदारा, कामिंडु मेंडिस, धनंजय डीसिल्वा, सहान अराछिगे, सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला, केशरा नुवंता, प्रभात जयसूर्या, मिलन रत्नायके, लाहिरू कुमारा, असिता फर्नांडो और विश्वा फर्नांडो शामिल हैं। धनंजय डीसिल्वा टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि कामिंडु मेंडिस उपकप्तान हैं। वहीं भारतीय टीम की कमान शुभमन गिल के हाथों में है। टीम में केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और औकिब नबी शामिल हैं। दूसरे टेस्ट में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है।

अभिनेत्री सौकार जानकी का निधन

94 साल की उम्र में ली अंतिम सांस, 400 से ज्यादा फिल्मों में किया काम

यूनिक समय, नई दिल्ली। पद्म श्री से सम्मानित दिग्गज अभिनेत्री सौकार जानकी का 94 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने 21 अगस्त 2026 को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह कुछ समय से सांस लेने में तकलीफ और उम्र संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। तबीयत बिगड़ने के बाद परिवार ने उन्हें चेन्नई के कावेरी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां आईसीयू में उनका इलाज चल रहा था। उनके निधन की पुष्टि नादिगर संगम के अध्यक्ष नासर ने भी की है।

सौकार जानकी ने भारतीय सिनेमा में करीब सात दशक तक काम किया और चार दक्षिण भारतीय भाषाओं में 400 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल 1950 में एलवी प्रसाद के निर्देशन में बनी तेलुगु फिल्म 'शावुकारु' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 1952 में 'वलयापति' के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखा। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों में अपनी शानदार अदाकारी से अलग पहचान बनाई। कन्नड़ सिनेमा में उनकी पहली फिल्म 1954 में 'देवकन्निका' थी, जबकि 1959 में उन्होंने डॉ. राजकुमार के साथ 'महिषासुर मर्दिनी' में काम किया। मलयालम फिल्मों में उन्होंने 1964 की 'स्कूल मास्टर' से शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने टेलीविजन पर भी काम किया और 1991 में दूरदर्शन के तमिल शो 'ऊरारिंदा रहस्यम' से टीवी की दुनिया में कदम रखा। सौकार जानकी के शानदार करियर में 'कन्या शुल्कम', 'डॉक्टर चक्रवर्ती', 'संसारम ओका चदरंगम', 'टोडिकोडल्लू' और 'गीतांजलि' जैसी कई चर्चित फिल्में शामिल हैं। उनकी आखिरी फिल्म 'अन्नी मांची सकुनमुले' थी। फिल्म इंडस्ट्री में उनके योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने 2022 में उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया था। उनके निधन से दक्षिण भारतीय सिनेमा समेत पूरे फिल्म जगत में शोक की लहर है।

नीरज चोपड़ा लुसाने डायमंड लीग में दिखाएंगे दम

जानें कब और कहां देख सकेंगे लाइव मैच

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 21 अगस्त की रात लुसाने डायमंड लीग 2026 में एक्शन में नजर आएंगे। एशियन गेम्स से पहले यह मुकाबला नीरज के लिए अपनी तैयारियों को परखने और डायमंड लीग फाइनल में जगह मजबूत करने का अहम मौका होगा। इस प्रतियोगिता में उनका सामना शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के रुमेश पथिरागे से भी होगा।

नीरज के लिए पिछला एक साल चोट और फिटनेस की वजह से चुनौतीपूर्ण रहा है। हालांकि, कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए सिल्वर मेडल जीता था। अब लुसाने में उनकी नजर बेहतर प्रदर्शन करने पर होगी। डायमंड लीग के इस सीजन में नीरज पहले दोहा चरण में हिस्सा ले चुके हैं, जहां उन्होंने 85.69 मीटर के थ्रो के साथ चौथा स्थान हासिल किया था।

नीरज चोपड़ा दो बार डायमंड लीग चैंपियन रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में 89.08 मीटर और 2023 में 87.66 मीटर के थ्रो के साथ खिताब अपने नाम किया था। वहीं 2024 के डायमंड लीग फाइनल में वह 89.49 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

लुसाने में जैवलिन थ्रो का मुकाबला स्विट्जरलैंड के स्टेड ओलंपिक डे ला पोंटेस में आयोजित होगा। नीरज के इवेंट की शुरुआत भारतीय समयानुसार 21 अगस्त की रात 11:52 बजे होगी। भारत में इसका टीवी पर सीधा प्रसारण नहीं किया जाएगा, लेकिन फैंस इसे डायमंड लीग के आधिकारिक चैनल पर ऑनलाइन लाइव देख सकेंगे।

डायमंड लीग फाइनल में पहुंचने के लिए खिलाड़ियों को रैंकिंग में शीर्ष छह में रहना होता है। फिलहाल नीरज 5 अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। ऐसे में लुसाने में अच्छा प्रदर्शन उनके लिए फाइनल की दौड़ में बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

बेटी को बचाने के लिए हर हद पार करेगी तापसी पन्नू

यूनिक समय, नई दिल्ली। तापसी पन्नू की अपकमिंग एक्शन–थ्रिलर फिल्म 'गांधारी' का फर्स्ट लुक सामने आ गया है और इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी एक ऐसी मां 'बनी' का किरदार निभा रही हैं, जो अपनी लापता बेटी को खोजने और उसे बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। फिल्म की कहानी एक मां के अटूट प्यार, संघर्ष और बदले की भावना के इर्द–गिर्द घूमती है। जारी पोस्टर में तापसी बेहद उग्र और दमदार अंदाज में नजर आ रही हैं, जबकि उनके पीछे देवी की छाया दिखाई देती है, जो फिल्म की कहानी में प्रतिशोध और रक्षा की भावना की ओर इशारा करती है। 'गांधारी' की कहानी कनिका ढिल्लों ने लिखी है और तापसी पन्नू के साथ उनकी यह एक और फिल्म है। इससे पहले दोनों की जोड़ी 'फिर आई हसीन दिलरुबा' में भी नजर आ चुकी है। फिल्म की स्टार कास्ट में इश्वाक सिंह, छाया कदम, स्वास्तिका मुखर्जी, मीता वशिष्ठ और जतिन सरना जैसे कलाकार शामिल हैं। कनिका ढिल्लों ने फिल्म को एक ऐसी महिला की कहानी बताया है, जो विपरीत परिस्थितियों के आगे झुकने से इनकार कर देती है। उनके मुताबिक, बनी का सफर बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक है। अब फिल्म के फर्स्ट लुक ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। 'गांधारी' 3 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

कुणाल खेमू की 'वाइब' का मजेदार टीजर रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी एक्शन–कॉमेडी फिल्म 'वाइब' का मजेदार टीजर रिलीज हो गया है। फिल्म में कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा और स्पर्श श्रीवास्तव मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। टीजर में कॉमेडी, एक्शन, थ्रिल और कई मजेदार ट्विस्ट की झलक देखने को मिलती है।

कहानी दो आम दोस्तों हार्दिक और बग्स की है, जो किसी बड़े मिशन का हिस्सा नहीं बनना चाहते, लेकिन हालात उन्हें एक गंभीर राष्ट्रीय संकट के बीच पहुंचा देते हैं। दोनों दोस्त इस जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं, लेकिन किस्मत उन्हें पीछे हटने का मौका नहीं देती। उनकी बेबसी और अजीबोगरीब परिस्थितियां फिल्म में कॉमेडी का तड़का लगाती हैं। टीजर में प्रीति जिंटा का दमदार और आत्मविश्वास से भरा बॉस–लेडी अंदाज भी देखने को मिलता है। वह दोनों दोस्तों को लगातार मुश्किल मिशन में धकेलती नजर आती हैं।

इसके अलावा टीजर में तेज रफ्तार कार चेज, हवाई एक्शन और कई रोमांचक घटनाएं भी दिखाई गई हैं,

देश बचाने निकले दो बेबस दोस्त

जिससे साफ है कि फिल्म में कॉमेडी के साथ थ्रिल और एक्शन का भी भरपूर डोज मिलेगा। फिल्म का निर्माण कुणाल खेमू और चिराग निहलानी ने ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म में डेब्यू कर रहीं वंशिका धीर के अलावा भोजपुरी स्टार दिनेश लाल यादव (निरहुआ) और यशपाल शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 'वाइब' 18 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जौहर यूनिवर्सिटी पर ईडी का शिकंजा

86 करोड़ सरकारी धन के दुरुपयोग के सुराग, दानदाताओं पर भी नजर

यूनिक समय, रामपुर। रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में कथित तौर पर सरकारी धन के दुरुपयोग और काले धन के इस्तेमाल से जुड़े अहम सुराग सामने आए हैं। ईडी की छापेमारी के दौरान यूनिवर्सिटी, जौहर ट्रस्ट, चार्टर्ड अकाउंटेंट और कई कंपनियों से जुड़े दस्तावेज खंगाले गए। जांच में सांसद–विधायक निधि समेत विभिन्न सरकारी विभागों की करीब 86 करोड़ रुपये की रकम कथित तौर पर यूनिवर्सिटी के निर्माण में लगाए जाने की बात सामने आई है।

सूत्रों के मुताबिक, जिले के विकास कार्यों के लिए जारी सरकारी धन को कथित तौर पर निजी कंस्ट्रक्शन फर्मों के जरिए जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में लगाया गया। जल निगम, पीडब्ल्यूडी, ग्राम्य विकास, संस्कृति, पिछड़ा वर्ग, नगर विकास और सिंचाई विभाग से जुड़े कामों की भी जांच की जा रही है। ईडी की नजर उन छह ठेकेदारों पर है, जिन्होंने सांसद–विधायक निधि से जुड़े काम किए थे।

जांच एजेंसी को शक है कि सरकारी अनुबंध हासिल करने वाली कुछ कंपनियों ने निर्धारित विकास कार्यों के बजाय ट्रस्ट की संपत्तियों से जुड़े निर्माण कार्य कराए। जौहर एसोसिएट्स और सीके एसोसिएट्स के जरिए करीब 86 करोड़ रुपये की सरकारी रकम के कथित दुरुपयोग की जांच हो रहा है।

ईडी की जांच में यूनिवर्सिटी के निर्माण पर अनुमानित 494 करोड़ रुपये के खर्च का हिसाब भी केंद्र में है। जमीन खरीद, इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण से जुड़े कई दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। सरकारी बजट से मिली करीब 88 करोड़ रुपये की रकम और ट्रस्ट को मिले चंदे के इस्तेमाल का रिकॉर्ड भी जांच एजेंसी देख रही है।

करीब 16 घंटे चली कार्रवाई के बाद ईडी की टीम 11 फर्मों से जुड़े दस्तावेज अपने साथ ले गई। इनमें पिरामिड कंस्ट्रक्शन, सालार ओवरसीज, एआर एजुकेशन ट्रस्ट, अर्थ इंफ्राटेक समेत कई संस्थाएं शामिल हैं। जांच में कथित तौर पर 11 अस्तित्वहीन संस्थाओं से मिले दान का भी पता चला है।

अब ईडी दानदाताओं, ठेकेदारों और तत्कालीन अधिकारियों से पूछताछ की तैयारी कर रही है। इस कार्रवाई के बाद आजम खां समेत कई लोगों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। हालांकि, इन सभी आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी।

कानपुर में 250 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा

बैंक रिलेशन मैनेजर गिरफ्तार

यूनिक समय, कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में 250 करोड़ रुपये से अधिक की साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने स्मॉल फाइनेंस बैंक के रिलेशन मैनेजर मुकेश झा को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह साइबर ठगों के लिए फर्जी फर्मों के नाम पर बैंक खाते खुलवाता था और उनमें करोड़ों रुपये का लेनदेन करवाता था।

बर्रा पुलिस के मुताबिक, इन खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और चोरी से जुड़ी रकम को इधर–उधर करने में किया जाता था। ठग आम लोगों के आधार, पैन और अन्य दस्तावेज हासिल कर उनके नाम पर कथित फर्जी फर्में बनाते थे। इसके बाद उन्हीं फर्मों के नाम से बैंक खाते खुलवाए जाते थे।

जांच में गुमटी नंबर–5 स्थित बैंक में विमलेश जनरल स्टोर, अर्जुन नमकीन भंडार और राज कॉन्ट्रैक्टर्स जैसी फर्मों के नाम पर खोले गए खातों का भी पता चला है। पुलिस के अनुसार, इन खातों की ट्रांजेक्शन लिमिट करोड़ों रुपये तक बढ़ाई गई थी, ताकि ठगी की रकम आसानी से ट्रांसफर की जा सके।

आरोप है कि बैंककर्मियों को इन लेनदेन के बदले 5 से 10 प्रतिशत तक कमीशन मिलता था। किसी खाते के खिलाफ शिकायत आने पर रकम को दूसरे खातों में भेजने की कोशिश की जाती थी, ताकि उसे फ्रीज होने से बचाया जा सके। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। कथित गैंग सरगना अभय शुक्ला उर्फ सुल्तान मिर्जा के नेपाल और फिर दुबई भागने की जानकारी सामने आई है। पुलिस अब उसके साथ–साथ नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है।

सीएम योगी बोले, जापान साथ आए तो नई संभावनाएं खुलेंगी

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को लखनऊस्थित अपने सरकारी आवास पर जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर कोतारो नागासाकी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस दौरान उत्तर प्रदेश में जापानी निवेश और दोनों देशों के बीच सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सीएम योगी ने कहा कि भारत और जापान की ताकत जब साथ आएगी तो इसका लाभ केवल दोनों देशों के लोगों को ही नहीं मिलेगा, बल्कि वैश्विक मंच पर भी नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और जापान के संबंध केवल आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच गहरे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्ते भी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जापान का दर्शन 'वा' मिल–जुलकर आगे बढ़ने की भावना को दर्शाता है, जबकि भारत की संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम' यानी पूरी दुनिया को एक परिवार मानने का संदेश देती है। दोनों देशों की यह साझा सोच उन्हें एक–दूसरे के करीब लाती है। बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश में जापानी निवेश बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार–विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत–जापान की मजबूत साझेदारी से तकनीक, उद्योग, निवेश और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच सहयोग आने वाले समय में वैश्विक स्तर पर विकास और आर्थिक प्रगति के नए रास्ते खोलेगा।

चीनी के दाम में 20 रुपये उछाल, मिठाइयां भी होंगी महंगी

यूनिक समय, लखनऊ। रक्षाबंधन से पहले चीनी की कीमतों में तेज बढ़ोतरी ने आम लोगों और मिठाई कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। आगरा में पिछले एक महीने के दौरान चीनी के फुटकर दाम करीब 20 रुपये प्रति किलो बढ़कर 65 रुपये तक पहुंच गए हैं। वहीं थोक बाजार में भी चीनी के भाव में करीब 2000 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी हुई है। गुरुवार को थोक बाजार में चीनी 6200 रुपये, खांडसारी 6000 रुपये, बूरा 6600 रुपये और तगार 6700 रुपये प्रति क्विंटल तक बिका। कारोबारियों का कहना है कि कीमतों में इस तेजी का सीधा असर मिठाइयों और पेठे पर पड़ेगा। रक्षाबंधन के दौरान पेठा और देसी घी की मिठाइयां 20 से 30 रुपये प्रति किलो तक महंगी हो सकती हैं। खाद्य मंत्रालय की जांच में कथित तौर पर सामने आया कि कुछ चीनी मिलों ने बड़े खरीदारों को बिक्री दिखाने के बावजूद चीनी की डिलीवरी नहीं की और स्टॉक अपने गोदामों में ही रखा। इससे बाजार में कृत्रिम कमी पैदा होने और कीमतें बढ़ने की बात कही गई है। सरकार ने अब बड़े उपभोक्ताओं के लिए स्टॉक सीमा तय कर दी है। 1 सितंबर से 10 मीट्रिक टन से अधिक मासिक चीनी खपत वाले कारोबारी 15 दिन से ज्यादा का स्टॉक नहीं रख सकेंगे। कारोबारियों का कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों से उत्पादन लागत बढ़ गई है और इसका असर ग्राहकों की जेब पर पड़ना तय है। वहीं, आगरा शुगर एंड खांडसारी डीलर्स एसोसिएशन का कहना है कि सरकार के नए कदमों और निगरानी से जमाखोरी पर लगाम लगने के बाद आने वाले दिनों में चीनी के दाम कम होने की उम्मीद है।

लखनऊ में दिव्या मिश्रा हत्याकांड

बैंक के बाहर पत्नी को मारी गोली सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ के गोमती नगर में बैंक कर्मचारी दिव्या मिश्रा की हत्या के मामले में सनसनीखेज सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, दिव्या के पति मानस बाजपेयी ने बैंक के बाहर उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार, दिव्या आईसीआईसीआई बैंक में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। गुरुवार दोपहर करीब 12:15 बजे वह एक क्लाइंट से मुलाकात के बाद बैंक लौटी थीं। इसी दौरान मानस बिना नंबर प्लेट वाले ऑटो से वहां पहुंचा और पहले से घात लगाकर बैठा रहा। चश्मदीदों के मुताबिक, उसके पास दो पिस्टल थीं।

सीसीटीवी में दोनों के बीच बातचीत और विवाद दिखाई देता है। कुछ देर बाद मानस ने दिव्या पर गोली चला दी। गोली की आवाज सुनकर बैंक कर्मचारी बाहर आए, लेकिन आरोपी ने उनकी ओर भी हथियार तान दिया। डर के कारण कर्मचारी वापस बैंक के अंदर चले गए। इसके बाद मानस ऑटो से फरार हो गया। गंभीर हालत में दिव्या को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार, दिव्या और मानस के बीच पिछले कुछ समय से वैवाहिक विवाद चल रहा था। दिव्या ने कथित तौर पर अपने सहकर्मियों को बताया था कि मानस पहले भी उसका पीछा कर चुका था और उसे अपनी जान का डर था।

हत्या के बाद मानस ने कथित तौर पर व्हाट्सएप स्टेटस के जरिए पत्नी पर धोखा देने का आरोप लगाया। इसके बाद उसने अपनी बहन की भी हत्या कर दी और खुदकुशी कर ली। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मेरठ एसएसपी पर सपा नेता ने लगाए मारपीट के गंभीर आरोप

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ के एसएसपी अविनाश पांडेय एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। सपा नेता दिग्विजय भाटी ने एसएसपी और इंस्पेक्टर अखिलेश गौर पर मारपीट के गंभीर आरोप लगाए हैं। भाटी का दावा है कि एसएसपी के चैंबर में उन्हें लात–घूंसों और जूतों से पीटा गया। इसके बाद एसओजी कार्यालय ले जाकर भी डंडों से मारपीट की गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

दिग्विजय भाटी के मुताबिक, ललिता गौतम हत्याकांड के विरोध में प्रदर्शन करने के कारण उन्हें जेल भेजा गया था। इसी मामले को लेकर वह एसएसपी से बातचीत करने पहुंचे थे। भाटी का आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और एसएसपी ने उनके साथ मारपीट की। उन्होंने दावा किया कि बाद में एसओजी कार्यालय में उनके हाथ–पैर बांधकर भी पीटा गया।

यह मामला सामने आने के बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर जांच की मांग की है। उन्होंने कथित पुलिस ज्यादती को निंदनीय बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और बर्खास्तगी की मांग की। एसएसपी अविनाश पांडेय पहले भी ललिता गौतम मामले से जुड़े थप्पड़ कांड को लेकर चर्चा में रहे हैं। आठ जुलाई को कलक्ट्रेट गेट पर प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई के बीच एक वीडियो सामने आया था, जिसमें एसएसपी पर प्रदर्शनकारी रवि गौतम को थप्पड़ मारने का आरोप लगा था।

साड़ी पहनकर किन्नर बना आरोपी, घर में घुसकर महिला से रेप का आरोप

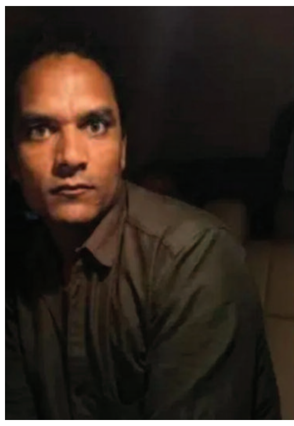

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई के पवई इलाके में एक महिला के साथ दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि 30 वर्षीय अनिल शिंदे किन्नर का भेष बनाकर साड़ी पहनकर एक सोसायटी में दाखिल हुआ और नजर उतारने व बीमार पति को ठीक करने का झांसा देकर महिला के घर में घुस गया।

घर के अंदर आरोपी ने महिला पर पानी छिड़का और उसके सिर पर हाथ रखने के बाद कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला ने विरोध करते हुए शोर मचाया तो आरोपी 2 हजार रुपये लेकर वहां से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस को सूचना दी, जिसके आधार पर पवई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने सोसायटी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसमें आरोपी साड़ी पहने ऑटो रिक्शा से जाते हुए नजर आया। पुलिस ने ऑटो के रजिस्ट्रेशन नंबर की मदद से चालक का पता लगाया और आरोपी के ठिकाने तक पहुंच गई। इसके बाद अनिल शिंदे को कलवा इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का परिवार भी किन्नर और भिखारी का भेष धारण कर भीख मांगने के काम में शामिल रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है।

पैलेट गन विवाद पर राहुल का धरना, एफआईआर की मांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में पैलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शुक्रवार को संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। उनके साथ पैलेट गन से घायल होने का दावा करने वाले साहिल लोचब और उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता भी मौके पर पहुंचे। राहुल गांधी ने साफ कहा कि जब तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं होती, तब तक वह धरने से नहीं हटेंगे।

दरअसल, 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान साहिल लोचब के घायल होने का दावा किया गया था। साहिल का आरोप है कि उन्हें पैलेट गन से 200 से ज्यादा छर्रे लगे। उनका कहना है कि शिकायत के बावजूद दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसी मामले को लेकर राहुल गांधी साहिल को साथ लेकर पहले कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन पहुंचे और इसके बाद संसद मार्ग स्थित डीसीपी कार्यालय पहुंचे। राहुल ने पुलिस अधिकारियों से मामले में अब तक हुई कार्रवाई और जांच की स्थिति की जानकारी मांगी।

मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा कि 20 जुलाई को पैलेट गन चलने का आरोप है और साहिल लोचब गंभीर रूप से घायल हुए। उन्होंने पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए कहा कि पीड़ित को न्याय मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि साहिल को एक थाने से दूसरे थाने भेजा जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों से मुलाकात के बाद राहुल गांधी थाने के बाहर ही धरने पर बैठ गए। उनके साथ साहिल का परिवार भी मौजूद रहा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने भी पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

वहीं, बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सवाल किया कि क्या वह पैरामिलिट्री फोर्स के खिलाफ एफआईआर कराने थाने पहुंचे हैं।

इस पूरे विवाद में दिल्ली पुलिस पैलेट गन के इस्तेमाल से इनकार कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए उसके पास पैलेट गन नहीं हैं। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर पैलेट गन के इस्तेमाल का मुद्दा लगातार राजनीतिक विवाद का केंद्र बना हुआ है।

बेंगलुरु की कार से 9 करोड़ कैश बरामद, घर से मिले 1.3 करोड़ रुपये

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक के बेंगलुरु में पुलिस और आयकर विभाग की कार्रवाई में कार से 9 करोड़ रुपये नकद बरामद होने का मामला सामने आया है। यह कार बेंगलुरु से तमिलनाडु के होसुर जा रही थी। इसके बाद कार से जुड़े लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली गई, जहां से 1.3 करोड़ रुपये अतिरिक्त बरामद किए गए।

आयकर विभाग ने नकदी को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को केएल 20 टी 8629 नंबर की क्रेटा कार होसुर रोड की ओर जा रही थी। इलेक्ट्रॉनिक सिटी पुलिस की नाइट पेट्रोलिंग टीम ने बैंगलोर एलिवेटेड टोलवे के टोल नाके के बाद सिग्नल पर कार को रोका। कार में दो लोग सवार थे। पुलिस उन्हें वाहन समेत थाने लेकर पहुंची और बाद में आयकर विभाग की टीम को सौंप दिया।

आयकर अधिकारियों ने कार की तलाशी ली तो उसमें एक सूटकेस के अंदर करीब 9 करोड़ रुपये नकद मिले। इनमें ज्यादातर 500 रुपये के नोट बताए जा रहे हैं। पकड़े गए लोगों में 42 वर्षीय सचिन भी शामिल हैं, जिनका संबंध तमिलनाडु के तूतुकुडी स्थित सिंधु ज्वैलर्स से बताया गया है।

आयकर विभाग ने पूछताछ के लिए दोनों लोगों को हिरासत में लिया है। इसी दौरान तमिलनाडु में उनके घरों पर भी तलाशी ली गई, जहां से 1.3 करोड़ रुपये और बरामद हुए। पुलिस और आयकर विभाग अब यह पता लगाने में जुटे हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और इसे होसुर क्यों ले जाया जा रहा था। जिस कार से नकदी मिली है, वह केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के नेय्याट्टिनकारा इलाके में रजिस्टर्ड है। मामले में आगे और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

दिल्ली में पुलिस मुठभेड़, भाऊ गैंग के दो शूटर घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के रणहौला इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ में हिमांशु भाऊ गैंग के दो कथित शूटर घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस के मुताबिक, दोनों बदमाश थार गाड़ी से हरियाणा भागने की कोशिश कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन थार एक लोडर गाड़ी से टकरा गई।

टक्कर के बाद थार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसके एयरबैग खुल गए। हादसे के बाद दोनों आरोपी गाड़ी छोड़कर जंगल की तरफ भागने लगे। पुलिस ने उनका पीछा किया तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं। दोनों तरफ से कुल 14 राउंड फायरिंग होने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, घायल आरोपियों में एक की पहचान 19 वर्षीय समीर के रूप में हुई है, जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। दोनों के कब्जे से एक विदेशी पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने इसी हथियार

से पुलिस पर आठ राउंड फायर किए। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी हिमांशु भाऊगैंग के लिए शूटर के तौर पर काम करते थे। पुलिस के मुताबिक, गैंग दिल्ली के चर्चित डॉक्टर नरेश शर्मा से लगातार रंगदारी मांग रहा था और रकम नहीं देने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही थी। खतरे को देखते हुए डॉक्टर और उनके परिवार को सुरक्षा दी गई थी।

पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों शूटर पहले किन वारदातों में शामिल रहे हैं और गैंग के अन्य सदस्यों से उनका क्या संपर्क है।

अलास्का में चार्टर विमान क्रैश, आठ लोगों की मौत

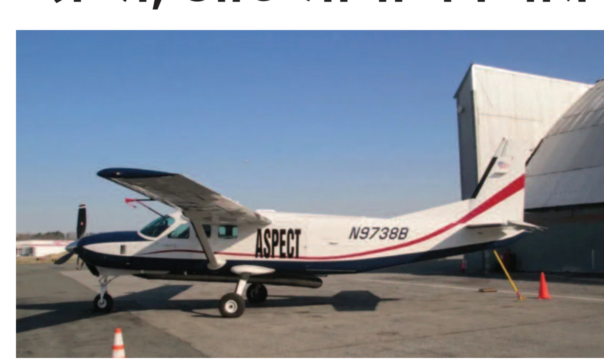

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका के अलास्का में गुरुवार को एक दर्दनाक विमान हादसा हुआ, जिसमें चार्टर एयरक्राफ्ट में सवार सभी आठ लोगों की मौत हो गई। हादसा पश्चिमी अलास्का के एक दूरदराज इलाके में स्थित केप न्यूएनहैम लॉन्ग रेंज रडार साइट एयरपोर्ट के पास हुआ। यह जगह एंकोरेज से करीब 450 मील यानी 725 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। अमेरिकी सेना के मुताबिक, विमान में दो पायलट और छह यात्री सवार थे। विमान ने एंकोरेज से उड़ान भरी थी और माना जा रहा है कि गुरुवार दोपहर केप न्यूएनहैम के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना की सूचना मिलने के बाद अलास्का रेस्क्यू कोऑर्डिनेशन सेंटर ने सर्च और रेस्क्यू अभियान शुरू किया। बाद में सभी आठ लोगों की मौत की पुष्टि हुई। अमेरिकी एयर फोर्स के लेफ्टिनेंट जनरल रॉबर्ट डेविस ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि यह सैन्य परिवार और उन समुदायों के लिए बड़ा नुकसान है, जिनकी वे सेवा करते हैं। वहीं, नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड के अलास्का क्षेत्र प्रमुख क्लिंट जॉनसन ने बताया कि विमान में दो पायलट और छह यात्री मौजूद थे। अलास्का की सीनेटर लिसा मुर्कोव्स्की ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए बचाव अभियान में शामिल एजेंसियों का आभार जताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अलास्का के सीनेटर डैन सुलिवन ने भी हादसे को बेहद दुखद बताते हुए मृतकों के परिजनों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए एनटीएसबी और एफएए से जानकारी मांगी गई है। फिलहाल विमान दुर्घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है और संबंधित एजेंसियां मामले की जांच कर रही हैं।

विजय पर उदयनिधि का तंज, बोले-फिल्मी डायलॉगबाजी छोड़ें

यूनिक समय, नई दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय और विपक्षी दल डीएमके के बीच भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर टकराव बढ़ता जा रहा है।

विधानसभा में बहस के दौरान विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने मुख्यमंत्री विजय पर तीखा तंज कसा। उन्होंने कहा कि अब विजय मुख्यमंत्री हैं, इसलिए उन्हें फिल्मों की तरह जोरदार डायलॉग नहीं बोलने चाहिए। उदयनिधि ने कहा कि विधानसभा फिल्मी संवाद बोलने की जगह नहीं है।

दरअसल, मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को दावा किया था कि उनके पास पिछली डीएमके सरकार के दौरान तीन सरकारी विभागों में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलें मौजूद हैं। उन्होंने डीएमके के पूर्व मंत्रियों और विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा था कि उन्हें ये फाइलें खोलने के लिए मजबूर न किया जाए। विजय ने कहा था कि वह सही समय आने पर इन दस्तावेजों और जानकारियों को सार्वजनिक करेंगे।

इसी बयान को लेकर शुक्रवार को विधानसभा में उदयनिधि स्टालिन ने विजय पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर सरकार के पास भ्रष्टाचार के ठोस सबूत हैं तो फाइलें तुरंत सार्वजनिक की जानी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उदयनिधि ने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री इन फाइलों को सामने लाने में देरी क्यों कर रहे हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि क्या मुख्यमंत्री तारीख तय करने के लिए अपने ज्योतिषी का इंतजार कर रहे हैं?

उदयनिधि ने विजय से कथित भ्रष्टाचार की फाइलें खोलने और आरोपों को साबित करने की चुनौती भी दी। उन्होंने कहा कि अगर दस्तावेजों में गड़बड़ी के ठोस सबूत हैं तो सरकार को कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। हालांकि, मुख्यमंत्री विजय ने सदन में उदयनिधि के सवालों का सीधे जवाब नहीं दिया।

सरकार की ओर से स्कूल शिक्षा मंत्री ने पक्ष रखते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं और कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी फाइलों को सही समय पर सार्वजनिक किया जाएगा। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में डीएमके और टीवीके विधायकों के बीच तीखी बहस भी हुई। दोनों पक्षों के सदस्यों ने नारेबाजी की, जिससे कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। तमिलनाडु में भ्रष्टाचार, वित्तीय प्रबंधन और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच पहले भी तीखी बयानबाजी हो चुकी है।

टैंकर में मिला स्टार्च, 1.20 लाख रुपये का दूध कराया नष्ट

राया रेलवे फाटक पर खाद्य विभाग की टीम ने पकड़ा टैंकर

अभिलेख नहीं दिखा सका चालक, नमूना जांच के लिए भेजा

यूनिक समय, मथुरा। मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने शुक्रवार को राया रेलवे फाटक पर दूध से भरे टैंकर की जांच की।

त्वरित जांच में दूध की गुणवत्ता संदिग्ध मिलने पर उसमें स्टार्च की मौजूदगी और वसा की मात्रा कम पाई गई। विभाग ने दूध का नमूना लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया, जबकि करीब एक लाख बीस हजार रुपये मूल्य का शेष दूध जनहित में नष्ट करा दिया गया।

टैंकर से फैलाए जा रहे दूध को देखते खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी।

आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के आदेश पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन में खाद्य सचल दल ने राया रेलवे फाटक पर दूध टैंकर संख्या यूपी 86 एटी 0875 का निरीक्षण किया। चालक हेमनेस कुमार ने टीम को बताया कि टैंकर में करीब दो हजार लीटर दूध गोपाल डेयरी सिकंदराराऊ हाथरस से लाया गया है। निरीक्षण के दौरान चालक दूध के क्रय और विक्रय से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद टीम को दूध की गुणवत्ता पर संदेह हुआ। खाद्य विभाग की टीम टैंकर को राया स्थित डेयरी पर ले गई, जहां दूध की त्वरित जांच की गई। जांच में दूध में स्टार्च मिलने के साथ ही वसा की मात्रा कम होने के संकेत मिले। इसके बाद अधिकारियों ने दूध का नमूना सुरक्षित कर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया। जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए टैंकर में बचे करीब दो हजार लीटर दूध को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। विभाग के अनुसार नष्ट किए गए दूध की अनुमानित कीमत करीब 1.20 लाख रुपये है।

सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेंद्र सिंह और जितेंद्र सिंह शामिल रहे।

पेंशन सत्यापन जल्द पूरा कर पात्रों को लाभ देने के निर्देश

छात्रवृत्ति आवेदन में लापरवाही पर होगी कार्रवाई, डीएम ने दिए निर्देश

शिक्षण संस्थान मान्यता से अधिक सीट और शुल्क दर्ज न करें

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक हुई। इसमें पूर्वदशम और दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण और आवेदन प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

डीएम ने वित्तीय वर्ष 2026–27 की दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना को लेकर सभी शिक्षण संस्थानों को शासन की समय–सारिणी के अनुसार कार्रवाई पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी संस्थान अपने मास्टर डाटा में शासन से मिली मान्यता से अधिक सीट या शुल्क दर्ज न करे। ऐसा पाए जाने पर संबंधित संस्था के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शिक्षण संस्थानों से अध्ययनरत विद्यार्थियों के अधिक से अधिक छात्रवृत्ति आवेदन कराने को कहा। नवीनीकरण वाले विद्यार्थियों के लिए आवेदन की अवधि 15 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 और नए विद्यार्थियों के लिए 15 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित है।

उन्होंने ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि शासन की समय–सारिणी के अनुसार पूरी प्रक्रिया बिंदुवार तैयार कराकर शिक्षण संस्थानों और विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाए, ताकि आवेदन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। बैठक में वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन योजनाओं के लंबित सत्यापन को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोई पात्र लाभार्थी पेंशन से वंचित नहीं रहना चाहिए। सामूहिक विवाह योजना के निर्धारित लक्ष्य को समय से पूरा करने और अधिक से अधिक पात्र परिवारों को लाभान्वित करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दाह संस्कार को लेकर गांव मल्हे में आमने–सामने आए दो पक्ष

यूनिक समय,राया। थाना क्षेत्र के गांव मल्हे में अंत्येष्टि स्थल को लेकर दो पक्ष आमने–सामने आ गए। विवाद की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। इसके बाद पुलिस मौजूदगी में मृतक का अंतिम संस्कार कराया। जानकारी के अनुसार, गांव नगला विजयी निवासी धाधु पुत्र सुम्मेर सिंह का निधन हो गया था। परिजन और ग्रामीण शव को अंतिम संस्कार के लिए ग्राम प्रधान द्वारा बनाए गए अंत्येष्टि स्थल पर लेकर पहुंचे। इसी दौरान गांव निवासी राधाचरण ने वहां अंतिम संस्कार किए जाने का विरोध कर दिया, जिसके चलते दोनों पक्षों में तनाव हो गया। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक कर्मवीर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को समझाकर मामले को शांत कराया। राधाचरण का आरोप है कि चुनावी रंजिश के चलते ग्राम प्रधान सतीश कुमार ने अधिकारियों को गुमराह कर बारात घर के लिए प्रस्तावित जमीन पर अंत्येष्टि स्थल बनवा दिया। उनका कहना है कि वर्ष 2022 में उक्त जमीन पर बारात घर निर्माण का प्रस्ताव पास हुआ था। बाद में अंत्येष्टि स्थल बनाए जाने की जानकारी होने पर उन्होंने इसका विरोध करते हुए एसडीएम को शिकायती पत्र देकर अंत्येष्टि स्थल हटाने की मांग की थी। राधाचरण के अनुसार, एसडीएम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उनके आवास के पास अंत्येष्टि स्थल नहीं बनाया जाएगा। वहीं ग्राम प्रधान सतीश कुमार ने आरोपों को खारिज करते हुए बताया कि वर्ष 2022 में ग्रामीणों की सहमति से उक्त जमीन पर बारात घर का प्रस्ताव पास हुआ था, लेकिन राधाचरण द्वारा विरोध किए जाने के कारण प्रस्ताव निरस्त कर दिया गया। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख, अधिकारियों और ग्रामीणों की सहमति से नवीन प्रस्ताव तैयार किया गया। प्रधान के अनुसार, डीएम द्वारा उक्त जमीन पर अंत्येष्टि स्थल बनाए जाने के आदेश दिए गए हैं।

शेरगढ़ पशु चिकित्सालय का मुख्य मार्ग बना तालाब

पशुपालकों और राहगीरों का निकलना हुआ मुश्किल

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा स्थित पशु चिकित्सालय के मुख्य मार्ग पर जलभराव होने से राहगीरों और पशुपालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर पानी जमा होने के कारण मार्ग ने तालाब का रूप ले लिया है, जिससे लोगों का यहां से निकलना दूभर हो गया है।

पशु चिकित्सालय के मुख्य मार्ग पर जलभराव का दृश्य।

पशु चिकित्सालय पर मौजूद डॉ. ज्ञानपाल ने बताया कि यह मार्ग बाजार को जोड़ने के साथ–साथ पशु चिकित्सालय तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता है। बारिश के बाद यहां पानी भर जाने से पशुपालकों को अपने पशुओं के साथ अस्पताल तक पहुंचने में काफी दिक्कत होती है। उन्होंने बताया कि मार्ग की समस्या को लेकर जनप्रतिनिधियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। जलभराव के चलते स्थानीय लोगों में भी नाराजगी है। पशुपालकों और राहगीरों ने संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि मार्ग पर जलनिकासी की उचित व्यवस्था कराकर सड़क की समस्या का जल्द समाधान कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में राहत मिल सके।

ई–रिक्शा में वृद्ध की जेब से 40 हजार उड़ाए

यूनिक समय, कोसीकलां। थाना क्षेत्र के गांव सुरवारी निवासी वृद्ध किशन सिंह दवाई लेने के लिए नंदगांव रोड स्थित क्लीनिक पर आए थे। दवाई लेकर वह ई–रिक्शा में बैठकर थाना रोड स्थित डाकघर की तरफ आ रहे थे।

आरोप है कि सफर के दौरान ई–रिक्शा में उनके साथ बैठी महिलाओं ने उनकी जेब में रखे 40 हजार रुपये उड़ा दिए। डाकघर पर उतरते समय जब वृद्ध ने जेब चेक की तो रुपये गायब थे। उन्होंने तुरंत शोर मचा दिया। मौके पर भीड़ जमा हो गई और सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ई–रिक्शा में साथ बैठी महिलाओं और लड़कियों को पूछताछ के लिए थाने ले आई। थाने में पुलिस ने महिलाओं और लड़कियों की तलाशी भी ली, लेकिन उनके पास से कोई चीज बरामद नहीं हुई। पूछताछ में महिलाओं ने रुपये चोरी करने से साफ इंकार कर दिया। वहीं वृद्ध का आरोप था कि ई–रिक्शा में उनके अलावा कोई और नहीं बैठा था, रुपये इन्हीं लोगों ने निकाले हैं। देर शाम तक पुलिस मामले की जांच में जुटी रही।

छाता चीनी मिल को लेकर किसानों ने भरी हुंकार

महापंचायत में सभी किसान संगठनों ने दिखाई एकजुटता

20 सितंबर को मुख्यमंत्री आ सकते हैं छाता

यूनिक समय, छाता। बंद पड़ी छाता चीनी मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शेरगढ़ रोड पर आयोजित महापंचायत में क्षेत्र के विभिन्न किसान संगठनों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एक मंच पर जुटे। महापंचायत की अध्यक्षता पूर्व सांसद कुंवर मानवेंद्र सिंह ने की।

वक्ताओं ने कहा कि चीनी मिल बंद होने से क्षेत्र के हजारों किसान प्रभावित हैं। मिल का संचालन दोबारा शुरू होने से किसानों को अपनी उपज के लिए बेहतर बाजार मिलेगा और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। किसानों ने सरकार से जल्द ठोस निर्णय लेने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। महापंचायत में किसान नेताओं ने कहा कि मिल को लेकर किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। किसानों के हित में सभी संगठन एकजुट होकर संघर्ष जारी रखेंगे। महापंचायत में चर्चा रही कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 20 सितंबर को छाता आ सकते हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

कस्टडी रिमांड लेकर तमंचा किया बरामद

यूनिक समय,मथुरा। वृंदावन पुलिस ने हत्या के प्रयास में एक अभियुक्त को कस्टडी रिमांड पर लेकर उसकी निशानदेही पर देशी पौनिया 315 बोर और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, राजपुर, वृंदावन निवासी रोहित उर्फ लुक्का ने 30 जून को अपने साथियों के साथ एक युवक के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। उसकी पत्नी के आने पर हमलावरों ने देशी तमंचे से जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। मारपीट में युवक बुरी तरह से घायल हो गया था। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास में मामला दर्ज कर लिया था। रोहित उर्फ लुक्का ने न्यायालय में समर्पण कर दिया था। पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त का न्यायालय से कस्टडी रिमांड लेकर उसकी निशानदेही पर अवैध पोनिया 315 बोर और कारतूस बरामद किए हैं।

बझेड़ा स्कूल में रात को घुसे चोर, टैबलेट समेत सामान चोरी

दीवार फांदकर विद्यालय में घुसे चोरों ने ताले तोड़े

विज्ञान–गणित किट रजिस्टर और जरूरी दस्तावेज भी ले गए

यूनिक समय, चौमुहां। थाना बरसाना क्षेत्र की सहार चौकी के अंतर्गत गांव बझेड़ा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में बीती रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोर विद्यालय की दीवार फांदकर परिसर में दाखिल हुए और कमरों के ताले तोड़कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। घटना की जानकारी सुबह विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों और ग्रामीणों को हुई। चोरी से क्षेत्र में नाराजगी है। इंचार्ज प्रधानाध्यापक विनय गौतम के अनुसार, चोर विद्यालय में रखे डिजिटल पढ़ाई के टैबलेट, बच्चों के उपयोग के लिए आई विज्ञान और गणित किट, शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित खोजी किट, जरूरी रजिस्टर, लेखन सामग्री और अन्य सामान ले गए। चोरों ने कार्यालय और अन्य कमरों में रखी अलमारियों के ताले और लॉकर भी तोड़ दिए। सुबह स्टाफ के पहुंचने पर कमरों में सामान बिखरा मिला। विद्यालय में चोरी की सूचना तत्काल सहार चौकी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने विद्यालय परिसर में चोरों द्वारा प्रवेश किए जाने और सामान ले जाने के संबंध में जानकारी जुटाई।

चोरों द्वारा तोड़ी स्कूल की अलमारी।

घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और चोरी का जल्द खुलासा करने की मांग की है। सहार चौकी प्रभारी अंकित चौधरी ने बताया कि विद्यालय में हुई चोरी की तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जल्द घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।